नई दिल्ली ■ शनिवार 29 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 241 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण | 07 आयुष म्हात्रे अंडर-19 एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे | सिद्धार्थ और कियारा ने बताया बेटी का नाम 08

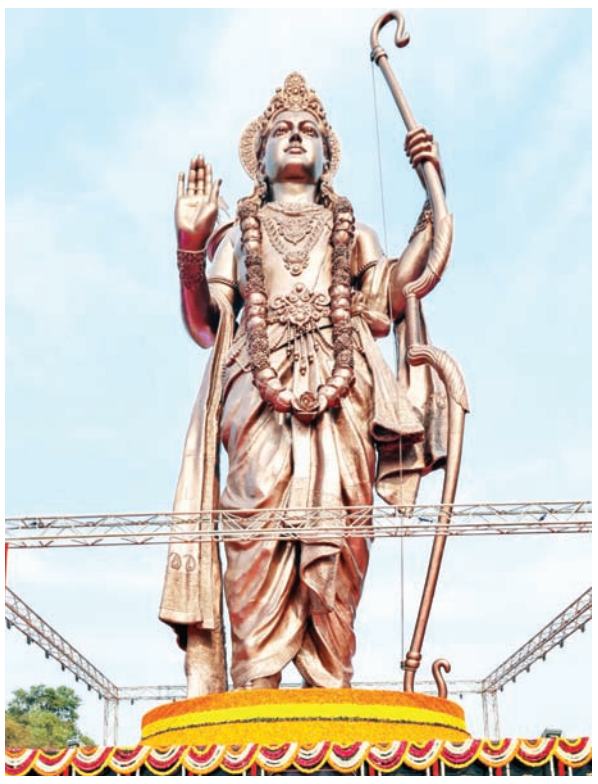

# भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा : प्रधानमंत्री मोदी

**पणजी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत दक्षिण गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का जीर्णोद्धार, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार, ये सभी देश की नयी चेतना और इसकी आध्यात्मिक विरासत के सशक्त पुनरुत्थान के उदाहरण हैं।" उन्होंने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए

प्रेरित करेगा। गोवा के इतिहास का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। उन्होंने कहा कि यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है और समय के साथ ये पुनर्जीवित भी हुई है।

मठ की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 550 वर्षों में इस संस्था ने 'समय के अनगिनत चक्रवातों को सहन किया है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि युग बदले, कालखंड बदले, देश और समाज में अनेक परिवर्तन हुए, लेकिन बदलते युग और चुनौतियों के बीच भी मठ ने अपनी दिशा नहीं खोई, बल्कि लोगों को दिशा देने वाले केंद्र के रूप में उभरा और यही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। मोदी ने कहा कि विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए लोगों के बीच एकता जरूरी है। मोदी ने कहा कि जब समाज एकजुट होता है, जब हर क्षेत्र और हर वर्ग एकजुट होता है, तभी कोई राष्ट्र बड़ी छलांग लगाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ का उद्देश्य लोगों के दिलों को जोड़ना और परंपरा व आधुनिकता के बीच सेतु का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि इसलिए, विकसित भारत की यात्रा में मठ एक महत्वपूर्ण और केंद्रीय भूमिका निभाता है।

मोदी ने लोगों से नौ संकल्प लेने को कहा, ये संकल्प हैं - जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, स्वदेशी को अपनाना, देश दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वस्थ जीवन शैली, योग और खेल, तथा जरूरतमंदों की मदद करना। मोदी ने रामायण पर आधारित एक थीम पार्क का भी उद्घाटन किया और कहा कि ये नये परिसर आने वाली पीढ़ियों के लिए ध्यान, प्रेरणा और भक्ति के स्थायी केंद्र बनेंगे। उन्होंने कहा कि साधुओं और संतों की संगति में आना एक आध्यात्मिक अनुभव है। मोदी ने दक्षिण गोवा के पर्तगाली स्थित मठ में मंदिर का भी दौरा किया। कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल अशोक गजपति राजू, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मठ के श्रीमद विद्याधीश तीर्थ स्वामी उपस्थित थे।

# देश की आर्थिक वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत, डेढ़ साल में सबसे तेज

**नई दिल्ली।** देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दूसरी तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 5.6 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी–मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी। इस तीव्र वृद्धि ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में बरकरार रखा है। इसी दौरान चीन की अर्थव्यवस्था 4.8 प्रतिशत बढ़ी है। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की अर्थव्यवस्था आठ प्रतिशत की दर से बढ़ी है। पिछले साल की

समान अवधि में इसकी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही थी। पहली छमाही के बेहतर प्रदर्शन के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के वृद्धि लक्ष्य से भी आगे निकल सकती है। जनवरी में पेश आर्थिक समीक्षा में इसके में 6.3-6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र ने पिछली तिमाही में 9.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दिखाई जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 2.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती की घोषणा और फिर दर कटौती के 22 सितंबर से लागू हो जाने के बाद कारखानों ने त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन तेज कर दिया था। आलोच्य तिमाही में सेवा क्षेत्र का भी प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। बैंकिंग, रियल एस्टेट और अन्य सेवाओं में 10.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जो एक साल पहले 7.2 प्रतिशत रही थी। हालांकि दूसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। कृषि क्षेत्र का उत्पादन गिरकर 3.5 प्रतिशत रहा जो साल भर पहले की समान अवधि में 4.1 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में स्थिर कीमतों पर जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपये और मौजूदा बाजार मूल्य पर जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपये रही। इसके साथ पहली छमाही में स्थिर कीमतों पर जीडीपी आठ प्रतिशत बढ़कर 96.52 लाख करोड़ रुपये और मौजूदा बाजार मूल्य पर जीडीपी 8.8 प्रतिशत बढ़कर 171.30 लाख करोड़ रुपये रहा। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) ने 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सकल स्थायी पूंजी निर्माण 7.3 प्रतिशत बढ़ा। दूसरी तिमाही में जीडीपी के अनुमान में उपयोग की गई विभिन्न गणना पद्धतियों के बीच अंतर 1.62 लाख करोड़ रुपये का रहा। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि सितंबर तिमाही की वृद्धि दर उम्मीदों से अधिक रही है। इससे दिसंबर 2025 की मौद्रिक नीति समीक्षा में दर कटौती की संभावना कम हो गई है। हालांकि नायर ने कहा, ₹अमेरिका की तरफ से लगाए गए उच्च शुल्क और केंद्र सरकार की सीमित पूंजीगत व्यय की गुंजाइश को देखते हुए वृद्धि की रफ्तार धीमी हो सकती है। इसके बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत से अधिक रहने की ही संभावना है। डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि जीएसटी सुधारों और त्योहारी खरीदारी तीसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को गति देंगे और पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर के अनुमान में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि जीडीपी डिफ्लेटर 2019 के बाद सबसे निचले स्तर पर है, जिससे मौजूदा कीमतों पर जीडीपी की वृद्धि धीमी हुई है और यह राजकोषीय घाटा, सरकारी कर्ज और चालू खाता जैसे अनुपातों पर प्रभाव डाल सकता है। जीडीपी डिफ्लेटर यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें समय के साथ कितनी बढ़ी या घटी हैं। इसे अर्थव्यवस्था की महंगाई का व्यापक पैमाना माना जाता है।

## जीडीपी वृद्धि उत्साहजनक, सुधारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था में दर्ज 8.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि सरकार की विकासोन्मुख नीतियों और सुधारों के सकारात्मक प्रभाव के साथ-साथ देशवासियों की मेहनत और उद्यमशीलता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि अत्यंत उत्साहजनक है और यह दर्शाती है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार सुधारों को गति देने तथा प्रत्येक नागरिक के ईज ऑफ लिविंग को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है, ताकि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की लगातार प्रगति सरकार की नीतिगत स्थिरता, पारदर्शिता और सुधारों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

### SIR पर तृणमूल प्रतिनिधिमंडल से चुनाव आयोग ने कहा

# चुनाव कर्मियों के कामकाज में न करें किसी प्रकार का हस्ताक्षेप

**नई दिल्ली।** तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मिला और मुख्य रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित अपनी शिकायतें रखी। तृणमूल कांग्रेस के 10 सांसदों वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से करीब दो घंटे तक बातचीत की। इस दौरान आयोग ने तृणमूल प्रतिनिधिमंडल से स्पष्ट कहा कि वे मृत, स्थानांतरित और नकली मतदाताओं के बारे में बीएलओ को प्रभावित या धमकाएं नहीं। आयोग ने उन्हें यह भी साफ कर दिया कि सिर्फ़ भारतीय नागरिक ही वोट देने के हकदार हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, विदेशियों को वोट देने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

चुनाव आयोग के अधिकारी के अनुसार आयोग ने तृणमूल प्रतिनिधिमंडल की ओर से उठाई गई सभी आशंकाओं और आरोपों को निराधार बताया और उनका बिंदुवार खंडन किया। आयोग ने उनसे 9 दिसंबर के बाद अपनी दावे और आपत्तियां देने का अनुरोध किया, जब राजनीतिक दलों से ड्राफ्ट सूची साझा की जाएगी। तब तक उन्हें बीएलओ, ईआरओ और डीईओ के स्वतंत्र कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, जो चुनाव से संबंधित कार्यों के लिए राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। आयोग ने तृणमूल प्रतिनिधिमंडल से यह भी कहा कि यह बहुत अजीब है कि आयोग की ओर से मंजूर किया गया बढ़ा हुआ मानदेय अभी तक राज्य सरकार ने नहीं दिया है। यह बिना किसी और देरी के किया जाना चाहिए।

आयोग के अधिकारी के अनुसार ईसीआई ने डीजीपी पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस आयुक्त को एक पत्र भेजा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बीएलओ पर राजनीतिक दल के कार्यकर्ता दबाव न डालें और उन्हें धमकाएं नहीं। चुनाव आयोग ने तृणमूल प्रतिनिधिमंडल से यह भी साफ़ कहा कि भारत में मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने का काम संविधान और चुनावी कानून के हिसाब से होता है और तृणमूल को इसका पालन करना चाहिए।

## एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दो और बीएलओ की मौत

**कोलकाता/मेहसाणा।** निर्वाचन आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और गुजरात के मेहसाणा में एक-एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के तौर पर तैनात प्राथमिकी शिक्षक की हृदयाघात से मौत का मामला सामने आया है। इन घटनाओं के बाद बीएलओ पर अत्यधिक कार्य दबाव होने के आरोप लगने लगे हैं। पश्चिम बंगाल में चार नवंबर को शुरू हुई एसआई प्रक्रिया के बाद बीएलओ की मौत का यह चौथा मामला है। इस मुद्दे पर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दिल्ली में निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और आरोप लगाया कि संवैधानिक निकाय के हाथ 'खून से सने' हैं।

# सहारनपुर में कार पर बजरी लदा डंपर पलटने से एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत

**सहारनपुर।** उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर बेकाबू होकर एक कार पर पलट गया। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से डंपर को हटाकर कार में दबे शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल ने बताया कि महेंद्र सैनी के गंगोह निवासी साले की मौत गुरुवार रात हो गई थी। शुक्रवार सुबह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वह परिवार के साथ रिश्तेदार राजू सैनी (27) की कार से जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी ग्राम प्रधान के अनुसार वह हाईवे के किनारे कार लेकर खड़े थे। देहरादून से बजरी से लदा आ रहा डंपर ओवरलोड था। जैसे ही चालक ने डंपर को मोड़ा वह बेकाबू होकर कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह पिचक गई और उसमे सवार सभी लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक नगर बिंदल ने बताया कि हादसा गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में गांव सैयद माजरा अंडरपास के पास दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे में महेंद्र सैनी, उनकी पत्नी रानी देवी, बेटा संदीप (24), बेटी जूली (27), पोता (4 साल), महेंद्र का दामाद शेखर कुमार (28) और महेंद्र की साली का बेटा विपिन (20) की मौत हो गई। ये मोहद्दीपुर के रहने वाले थे। संदीप सैनी पूर्व मंत्री डॉ. धर्म सिंह सैनी के भाई के अस्पताल में फार्मासिस्ट था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने डंपर को क्रेनों की मदद से हटवाया। फिर कार की छत तोड़कर करीब एक घंटे बाद सभी के शव निकाले जा सके।

## गरीबों के लिए आधी रात तक कोर्ट में बैठ सकता हूं : चीफ जस्टिस सूर्यकांत

**नई दिल्ली।** नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्याय के प्रति अपनी निष्ठा जाहिर करते हुए कहा है कि गरीबों के लिए न्याय सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे उनके लिए आधी रात तक कोर्ट में बैठ सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने ये टिप्पणी तिलक सिंह डांग नामक याचिकाकर्ता की याचिका खारिज करते हुए की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे मामले धनी वादीगण लड़ते हैं। मैं यहां सबसे छोटे, सबसे गरीब पक्षकार के लिए हूं। अगर जरुरत पड़ी तो मैं उनके लिए आधी रात तय यहां बैठूंगा।

## रूस के राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को आयेंगे नई दिल्ली, प्रधानमंत्री के साथ होगी शिखर वार्ता

**नई दिल्ली।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर 4 दिसंबर को भारत की राजकीय यात्रा आयेंगे। इस दौरान वे दिल्ली में आयोजित 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर वार्ता में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में भोज आयोजित करेंगी।

# जगदलपुर में 65 लाख के इनामी 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के शौर्य भवन में शुक्रवार को झीरम हमले के मास्टरमाइंड दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का वरिष्ठ सदस्य और 25 लाख का इनामी चैतू उर्फ श्याम दादा के साथ कुल 65 लाख के इनामी 10 नक्सलियों ने बस्तर आईजी सुंदरराज पी. के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के तहत झीरम हमले का मास्टरमाइंड दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का वरिष्ठ सदस्य और 25 लाख का इनामी 60 वर्षीय चैतू उर्फ श्याम दादा, जिसका पूरा नाम गिरी रेड्डी पवन दा रेड्डी है। उस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह मूलतः ग्राम तुलसापुर, मंडल रघुनंदापल्ली, जिला वारंगल का निवासी है। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का वरिष्ठ सदस्य और दरभा डिवीजन का इंचार्ज था। आत्मसमर्पण के

दौरान चैतू ने अपनी एके-47 रायफल भी पुलिस के हवाले कर दिया है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के वरिष्ठ सदस्य इनामी चैतू उर्फ श्याम दादा के अलावा डीवीसीएम कैडर की सरोज भी शामिल है। उस पर 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनके साथ एसीएम (एरिया कमेटी सदस्य) भूपेश उर्फ सहायक राम, प्रकाश, कमलेश उर्फ झितरु, जननी उर्फ रयमती कश्यप, संतोष उर्फ सन्नू और नवीन एवं पीएम (प्रोटेक्शन मिलिशिया) की रमशीला और जयती कश्यप ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन सभी आत्मसमर्पित 10 नक्सलियों पर कुल 65 लाख रुपये के इनामी घोषित था।

## भारत ने रिहा किए पाकिस्तान के तीन कैदी, अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते भेजा गया

**चंडीगढ़।** भारत की अलग-अलग जेलों में सजा काटने के बाद तीन पाकिस्तानी कैदी रिहा होकर पाकिस्तान लौट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें शुक्रवार को अटारी-बाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तानी रेंजरों के हवाले किया।

भारत सरकार ने लक्खोवाल लाहौर निवासी मोहम्मद रमजान (58), पाकिस्तान के पंजाब निवासी असगर अली और बड़ा पिंड पंजाब निवासी मोहम्मद इकबाल (48) को रिहा किया है। इकबाल को 18 साल की उम्र में एनडीपीएस एक्ट के तहत गुरदासपुर में 10 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था।

कोर्ट ने उन्हें 30 साल की सजा सुनाई थी, जिसे वह पूरी तरह काट चुके हैं। रमजान 2010 में जम्मू के रास्ते अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुसा था, पकड़े जाने पर उसे साढ़े 13 साल की सजा हुई थी। वह दिल्ली की तिहाड़ जेल से 15 साल बाद लौटा है।

# नोएडा पीएफ ई-नामांकन में सबसे आगे, पांच लाख से अधिक खाताधारकों ने पूरी की प्रक्रिया

## 10 लाख से अधिक पीएफ खाता धारक है नोएडा में

**नोएडा।** पीएफ ई-नामांकन में प्रदेश में पहले नंबर पर नोएडा है। यहां पांच लाख से अधिक पीएफ ई-नामांकन पूरे हुए हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अनुसार अब तक पीएफ ई-नामांकन की अंतिम तारीख नहीं है, लेकिन लोग जल्द इस प्रक्रिया को पूरा करने पीएफ संबंधी सुविधाओं को सुरक्षित कर लें। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा में 1082822 पीएफ खाता धारक हैं।

इन सभी लोगों के पीएफ खाते सक्रिय हैं। इनमें से 558867 खाता धारकों का ई-नामांकन पूरा हो गया है। बाकी पीएफ खाता धारकों का ई-नामांकन तेजी से कराने में संगठन जुटा हुआ है। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम सुयश पांडे ने कहा कि सभी पीएफ खाता धारकों के लिए ई-नामांकन बेहद जरूरी है। इसलिए इस प्रक्रिया को पूरा कर लें। यदि खाताधारकों को नामांकन में कोई समस्या है तो वे सेक्टर-24 स्थित कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए प्रत्येक माह की 27 तारीख को आयोजित होने वाले निधि आपके निकट कार्यक्रम में भी ई-नामांकन की प्रक्रिया में मदद की सुविधा दी जाती है। यहां बड़ी संख्या में मौजूद कर्मचारी लोगों की ई नामांकन में मदद करते हैं।

भले ही यह कार्यक्रम अलग-अलग कंपनियों में होता है, लेकिन कोई भी व्यक्ति पीएफ से जुड़ी सेवाओं का इनमें लाभ उठा सकता है। रकम पाने में आसानी होगी संगठन के अनुसार पीएफ ई-नॉमिनेशन इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह सदस्य की मृत्यु के बाद उसके परिवार को पीएफ, पेंशन और बीमा का पैसा आसानी से और दर्ज है तो यह प्रक्रिया घर बैठे पांच मिनट में पूरी हो जाती है। ऐसे प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे सबसे पहले, ईपीएफओ की वेबसाइट www.epfindia.gov.in/memberinterface पर जाएं और यूनिवर्सल अकाउंट नंबर और पासवर्ड डालकर लॉग इन करें। ई-नॉमिनेशन चुनें में जाकर पारिवारिक विवरण भरें। इसके बाद नामांकित व्यक्ति की जानकारी दें। इसमें सभी आवश्यक जानकारी भरे।

इन जानकारियों में नामांकित व्यक्ति का नाम, आधार नंबर, जन्मतिथि, संबंध, पता और फोटो अपलोड करना अहम है। यदि एक से अधिक नामांकित व्यक्ति जोड़ते हैं, तो एड नाऊ पर क्लिक करें और सभी नामांकित व्यक्तियों के लिए कुल मिलाकर 100 फीसदी शेयर तय करें। इसके बाद ईपीएफ नामांकन सहेजें। ई-साइन के विकल्प पर क्लिक करें और आधार से जुड़े ओटीपी को दर्ज ओटीपी दर्ज करने के बाद ई-नामांकन सफलतापूर्वक दर्ज हो जाएगा और स्क्रीन पर एक संदेश दिखाई देगा।

# एसआईआर फार्म भरने के लिए नोटिस लगाए

**नोएडा।** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फार्म भरने के लिए शहर के सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस लगाए जा रहे। लोगों को एसआईआर के तहत फार्म भरने के लिए प्रेरित किया जा रहा। जिला प्रशासन एसआईआर के तहत शत-प्रतिशत फार्म भरने के प्रयास में जुटा है।

बीएलओ लोगों के घरों पर तीन-तीन बार चक्कर लगा रहे। फार्म वितरित करने, इसे भरने में भी मदद करने सहित जमा भी कर रहे हैं।

वहीं गांव और कस्बों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस लगाकर लोगों को एसआईआर का फार्म करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार शहर में हरौला, झुंडपुरा, सदरपुर, छलेरा, सलारपुर, भंगेल, चोटपुर, छिजारसी व बरौला आदि सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस लगाए जा रहे हैं। सर्वर में दिक्कत से काम पर असर एसआईआर के फार्मों की स्क्रैनिंग करने वाले सर्वर में भी शुक्रवार को दिक्कत आ गई। इससे कई घंटे तक एसआईआर का कार्य प्रभावित रहा। इससे बीएलओ के साथ अन्य कर्मियों और अधिकारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

## साइंस फिएस्टा में बच्चों ने प्रतिभा दिखाई

**ग्रेटर नोएडा।** कैम्ब्रिज स्कूल में अंतरविद्यालय साइंस फिएस्टा का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, गणितीय चिंतन और डिजिटल रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना रहा। फिएस्टा में कक्षा 1 से 9 और कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। बीस दिन तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। शुक्रवार को हुए ग्रैंड फिनाले में विभिन्न श्रेणियों से चयनित सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों और प्रस्तुतियों को प्रदर्शित किया गया।

## पशु प्रेमी महिला से मारपीट मामले में छह के खिलाफ मुकदमा

**दादरी।** पुलिस ने सेक्टर ओमीक्रोन में रहने वाली महिला पशु प्रेमी से मारपीट करने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की थी।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। महिला पशु प्रेमी कावेरी राणा ने बताया कि सेक्टर में लोगों ने लावारिस जानवरों को रोकने के लिए गेट लगा दिया था, जिसका वह विरोध कर रही थीं। उनकी शिकायत पर गुरुवार को प्राधिकरण की टीम जांच के लिए पहुंची थी। प्राधिकरण के दस्ते में शामिल एक कर्मचारी घटना का वीडियो बनाने लगा। कावेरी राणा ने विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी कश्मीरा पहलवान, दीपक, गौरव, पूरन सिंह, अरविंद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भाजपा का मिशन-2027 अभियान उड़ान भरेगा

**नोएडा।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भाजपा अपने मिशन 2027 की औपचारिक शुरुआत करने जा रही है। इसके शुभारंभ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित जनसभा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार का पहला चरण मानी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एयरपोर्ट और जनसभा स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लगभग एक महीने के भीतर दूसरी बार एयरपोर्ट का दौरा किया और बताया कि दिसंबर में एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रस्तावित है, जिसके लिए प्रधानमंत्री से समय मांगा गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री 25 नवंबर 2021 को नोएडा एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह में भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उद्घाटन के अवसर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विकास की नई उड़ान भरेगा। जनसभा स्थल पर चार प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं, जिनके संचालन और प्रधानमंत्री की आवाजाही को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

भाजपा पदाधिकारियों का कहना है कि एयरपोर्ट उद्घाटन के अवसर पर होने वाली यह विशाल रैली मिशन 2027 की शुरुआत का आधार बनेगी। इसके बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यक्रम तेजी से शुरू होंगे। नेताओं ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट में से एक बनने जा रहा है, जो पश्चिमी यूपी और एनसीआर में विकास, निवेश और लाखों रोजगार अवसरों का मार्ग खोलेगा।

सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया और जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

# चोरी की बढ़ती घटनाएं: 6 बाइक, 2 ई-रिक्शा और 6 मोबाइल फोन चोरी

**नोएडा।** जनपद गौतमबुद्ध नगर में पुलिस की कड़ी चौकसी के बावजूद वाहन व मोबाइल फोन की चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। चोरों ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग जगहों से 6 मोटरसाइकिल, 2 ई-रिक्शा व 6 मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि नितेश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने अपनी मोटरसाइकिल मेट्रो स्टेशन के पास सर्विस रोड पर खड़ी कर, अपने दोस्त के साथ सर्फाबाद गांव स्थित उसके घर चला गया। जब वह वापस आया तो उदेखा कि अज्ञात बदमाशों ने उसकी बाइक वहां से चोरी कर ली है।

थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि पुष्पेंद्र तिवारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-22 में रहता है। पीड़ति के अनुसार वह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर सेक्टर-54 स्थित खरगोश पार्क में गए थे। पीड़ति के अनुसार उसने अपनी बाइक पार्क के बाहर खड़ी कर दी। जब वह वापस आया तो देखा कि अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। उन्होंने बताया कि नेपाल पुत्र अनिल राजवंशी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गिझोड़ गांव

में रहता हैं। पीड़ति के अनुसार मोदी माल के सामने उसने अपना ई-रिक्शा खड़ा कर शौचालय में चला गया। पीड़ति के अनुसार जब वह वापस आया तो देखा कि अज्ञात बदमाशों ने उसका ई-रिक्शा चोरी कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख क्षेत्र के गौर सिटी मॉल के पास स्थित मिठाई की दुकान पर सामान खरीदने गए एक व्यक्ति की बाइक अज्ञात बदमाशों ने चोरी कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में तारकेश्वर नाथ ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है।

थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि अनु कुमार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह नयाबांस गांव के गली नंबर-1 में रहता है। पीड़ति के अनुसार उसने अपनी मोटरसाइकिल अपने घर के बाहर खड़ी की थी। वहां से अज्ञात बदमाशों ने बाइक चोरी कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में दीपक कुमार महतो ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी मोटरसाइकिल सेक्टर-14 ए के अमिताभ पार्क के पास खड़ी कर पार्क में घूमने के चला गया। जब वह वापस आया तो मोटरसाइकिल गायब मिली। है। एक अन्य मामले में मोहम्मद अब्दुल्ला निवासी सेक्टर-9 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने अपना ई-रिक्शा सेक्टर-9 के पास खड़ा किया था। वहां से अज्ञात बदमाशों ने उनका ई-रिक्शा चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इसके अलावा थाना सेक्टर 24 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने झुंडपुरा गांव स्थित उसके ऑफिस से उसका कीमती लैपटॉप और अन्य सामान चोरी कर लिया है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शिवम कुमार यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका मोबाइल फोन अज्ञात बदमाशों ने थाना क्षेत्र से चोरी कर लिया है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया की रौनक नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह तुगलपुर गांव में रहते हैं। पीड़ति के अनुसार वह अपने घर पर सो रहे थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने घर से उसके पड़ोसी रविकुल शेख, ब्रह्म सिंह, कुमारी खुशबू का कीमती मोबाइल फोन चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए

**नोएडा।** मिशन शक्ति अभियान-5.0 के अंतर्गत शुक्रवार को महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा जागरुकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति टीम ने साइबर ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और बच्चियों को विविध हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया गया।

## छात्राओं को करियर के विकल्प बताए

**ग्रेटर नोएडा।** नॉलेज पार्क स्थित रक्षपाल बहादुर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आरबीएमआई कॉलेज) में शुक्रवार को करियर एक्सपो का आयोजन किया गया। इसमें गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न स्कूलों के 450 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कक्षा 12वीं के बाद क्या-क्या करियर विकल्प हैं, इसकी जानकारी हासिल की और अपनी जिज्ञासा दूर की। संस्थान के निदेशक डॉ श्याम कुमार ने यह जानकारी दी।

# अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, पुलिस जांच में जुटी

**नोएडा।** नोएडा शहर में अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसे में एक हलवाई समेत दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ति परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि चोम सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद हाथरस के रहने वाला है। पीड़ति के अनुसार उसका भाई लक्ष्मण अपने परिवार सहित फरीदाबाद में रहता है, तथा हलवाई का काम करता है।

रात को उसका भाई हलवाई का काम करने के लिए नोएडा के सेक्टर-135 गया था। वह पिकअप में बैठकर जा रहा था। सेक्टर-82 कट के पास पिकअप के चालक ने नोएडा एक्सप्रेसवे के अंडरपास में अपनी पिकअप गाड़ी को घुसाई। वह तेजी और लापरवाही से वाहन चला रहा था। चालक की लापरवाही के चलते उसका भाई जो कि पिकअप में पीछे बैठा था, उसका सिर

अंडरपास की छत से टकरा गया। इस घटना में उसे गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पिकअप के चालक की पुलिस तलाश कर रही है।

वहीं थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में एक डिलीवरी वैन के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि नीतू पत्नी ओमवीर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद बदायूं की रहने वाली है, तथा मौजूदा समय में सेक्टर-122 में रहती हैं।

पीड़ित के अनुसार उनके पति ओमवीर बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी सेक्टर-122 के पास डिलीवरी करने वाले छोटा हाथी के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में महिला के पति को गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए सेक्टर-71 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान बृहस्पतिवार की रात को डॉक्टरों ने ओमवीर को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## जूनियर बालिका कबड्डी का जिला स्तरीय ट्रायल आज

**ग्रेटर नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर के खेल कार्यालय में शनिवार को जिला स्तरीय जूनियर कबड्डी बालिका ट्रायल होगा। ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडलीय ट्रायल में शामिल होगी। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि गाजीपुर के गोराबाजार स्थित जिला खेल कार्यालय नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में 6 से 8 दिसंबर तक जूनियर महिला वर्ग में प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता होगी। इसमें शामिल होने के लिए ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय ट्रायल होगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 1 दिसंबर को मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले मंडलीय ट्रायल में भाग लेंगी।

## अवैध हथियार के साथ लूट की नीयत रखने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

**नोएडा।** नोएडा में लूटपाट करने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से 2 तमंचा मय कारतूस बरामद किया है।

थाना सेक्टर -9 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक रविंद्र कुमार ने एक सूचना के आधार पर हरेंद्र पुत्र रामू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

वहीं थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने राजकुमार उर्फ राजा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों अभियुक्त लूटपाट करने की नीयत से अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। बदमाश किसी वारदात को अंजाम देते पुलिस ने उससे पूर्व ही धर दबोचा।

# बीएआरसी वैज्ञानिकों ने छात्रों को परमाणु ऊर्जा में कैरियर के अवसरों से अवगत कराया

**नोएडा।** छात्रों को भारत सरकार के परमाणु उर्जा विभाग के भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) में कैरियर के अवसरों को जानकारी प्रदान करने के लिए आज बीएआरसी के वैज्ञानिक युवराज नितिन और वैज्ञानिक निशांत मिश्रा ने एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर वाइस चांसलर डा. बलविंदर शुक्ला और एमिटी टेक्नीकली प्लेसमेंट सेंटर के अपर निदेशक डा. अंजनी कुमार भटनागर ने उनका स्वागत किया।

इस भ्रमण का उददेश्य छात्रों को परमाणु उर्जा विभाग में किए जा रहे अनुसंधान व विकास बारे में बताना और बीएआरसी प्रशिक्षण स्कूल के जरिए इंजीनियरिंग और विज्ञान स्नातकों के लिए कैरियर के बारे में जानकारी प्रदान करना रहा। वैज्ञानिक युवराज नितिन ने कहा कि बीएआरसी न्यूक्लियर फिजिक्स और न्यूक्लियर एनर्जी, मैटेरियल्स साइंस, रेडिएशन बायोलॉजी और हेल्थ फिजिक्स, आइसोटोप प्रोडक्शन और एप्लीकेशन्स, न्यूक्लियर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अनुसंधान व विकास को बढ़ावा देता है। शोध व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उद्योग अकादमिक सहयोग बहुत आवश्यक है, और हमें छात्रों को इंटर्नशिप के मौके देने में खुशी होगी जो उनके करियर में आगे बढ़ने में उनकी मदद करेंगे। वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि बीएआरसी एक बहुत जाना-माना संस्थान है और परमाणु उर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी की स्थापना इस मकसद से की गई थी कि छात्रों को न्यूक्लियर साइंस के फील्ड में सबसे अच्छे मौके मिलें और वे उद्योगों के लिए तैयार हों। हम अपने छात्रों को इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करते है, जिससे उनके कौशल विकसित होंगी और उनकी प्रयोगिक जानकारी बढ़ेगी। वहीं वैज्ञानिक निशांत मिश्रा ने कहा कि हम छात्रों से बातचीत करके प्रसन्न हैं क्योंकि वे भविष्य के नेतृत्वकर्ता हैं और उन्हें अनुसंधान व नवाचार के जरिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। न्यूक्लियर साइंस का इस्तेमाल स्वास्थय, उर्जा, उद्योग, कृषि, पर्यावरण, और रक्षा जैसे कई जरूरी क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसलिए, साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी डोमेन के स्टूडेंट्स को इस फील्ड के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए, और उन्हें नवाचार पर काम करना चाहिए, जिससे वे देश बनाने में योगदान दे सकें। इस भ्रमण के दौरान, बीएआरसी के प्रतिनिधियों और एमिटी विश्वविद्यालय के साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी डोमेन के डीन और प्रमुख के बीच बातचीत हुई, जिससे एमिटी विश्वविद्यालय और बीएआरसी के बीच विचारों का एक अहम सहयोग का इरादा बढ़ा।

इस मौके पर फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डीन डॉ. सुनीता रतन, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी की निदेशक डॉ. अल्पना गोयल, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. एमके पांडे और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. नीरज कुमार सहित अन्य मौजूद रहें।

# आरबीएमआई कॉलेज में करियर एक्सपो 2025 का हुआ आयोजन

**ग्रेटर नोएडा।** रक्षपाल बहादुर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आरबीएमआई कॉलेज), नॉलेज पार्क-3 में आज करियर एक्सपो 2025 का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में गौतम बुद्ध नगर के विभिन्न स्कूलों से 450 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 12वीं कक्षा के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की गहन जानकारी प्राप्त की। संस्थान के निदेशक डॉ. श्याम कुमार ने बताया कि एक्सपो का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा और करियर के विविध अवसरों से अवगत कराना था।

उन्होंने कहा कि 12वीं के बाद सही दिशा चुनना युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, और इस तरह के आयोजन छात्रों को सही निर्णय लेने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। एक्सपो में सिविल सर्विसेज, बैंकिंग, एसएससी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एविएशन, होटल मैनेजमेंट, नीट, जेईई एडवांस्ड, जेईई मेन और विदेशी शिक्षा से संबंधित संस्थानों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। छात्रों ने विशेषज्ञों से बातचीत कर विस्तृत जानकारी हासिल की और अपने रुचि क्षेत्रों को समझने का अवसर पाया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी शिक्षक मौजूद रहे। छात्राओं ने आयोजन को बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें नए करियर विकल्पों के बारे में व्यापक जानकारी मिली है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन से आग्रह किया कि ऐसे आयोजन समय-समय पर आयोजित किए जाएं, ताकि उन्हें भविष्य की दिशा चुनने में सहायता मिलती रहे। करियर एक्सपो 2025 ने छात्राओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को लेकर नया उत्साह भी भर दिया।

# एमसीडी उपचुनाव: रेखा गुप्ता ने किया शालीमार बाग, अशोक विहार में रोड शो

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव प्रचार के आखिरी दिन शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी अनिता जैन और वीना असीजा के समर्थन में शालीमार बाग और वार्ड अशोक विहार में रोड शो किया। उन्होंने दिल्ली के लोगों से विकास यात्रा को अधिक प्रभावी, तेज और व्यापक बनाने के लिए भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शालीमार बाग-बी में भाजपा प्रत्याशी अनिता जैन के रोड शो में सभी का उत्साह एवं आशीर्वाद भाजपा परिवार की शक्ति भी है और आने वाले जनादेश का स्पष्ट संकेत भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 8 महीनों में शालीमार बाग ने दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों की गति और विस्तार को स्वयं अनुभव किया है। सड़कें, सफाई, स्वास्थ्य सुविधाएं, विभिन्न परियोजनाएं सहित हर मोर्चे पर बड़े पैमाने पर कार्य निरंतर जारी है। अशोक विहार में रोड शो के दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि वीना असीजा के समर्थन में जिस गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ सभी जुड़े, वह अमूल्य विश्वास का प्रतीक है। पिछले कुछ महीने में अशोक विहार के बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं और सार्वजनिक सुविधाओं सहित अनेक क्षेत्रों में तेज, सुचारु और प्रगति का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल शुरुआत है, आने वाला समय और भी व्यापक, स्थायी तथा जनहित-केंद्रित विकास का साक्षी बनने जा रहा है। गुप्ता ने एमसीडी उपचुनाव पर कहा कि इस बार दावे नहीं जनता का आशीर्वाद काम करने वाला है और दिल्ली में जनता का विश्वास, आशीर्वाद भाजपा को हर जगह मिल रहा है। यहां 12 की 12 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों को इतना प्यार मिल रहा है जिसका नतीजा उपचुनाव के नतीजों में दिखने वाला है। दिल्ली की जनता फिर से भाजपा को चुनेगी। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल एवं विधायक पूनम शर्मा सहित भाजपा के कार्यकर्ता और वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

राजधानी के विभिन्न वार्डों शालीमार बाग-बी, चांदनी चौक (वार्ड 74) और अशोक विहार (वार्ड 65) में आयोजित रोड शो में भाग लेकर जनता से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करने के लिए अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विभिन्न वार्डो में हुए रोड शो के दौरान जनता का जो उत्साह और समर्थन दिखा, वह सरकार द्वारा राजधानी के विकास के लिए हो रहे कार्यों पर विश्वास का प्रमाण है। बीते 8 महीनों में सड़क, सफाई, स्वास्थ्य एवं अन्य विकास परियोजनाओं की प्रगति ने लोगों के भरोसे को और मजबूत किया है। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि इस विकास यात्रा को अधिक प्रभावी, तेज और व्यापक बनाने के लिए 30 नवंबर को भाजपा प्रत्याशी - शालीमार बाग से अनिता जैन, अशोक विहार से वीना असीजा और चांदनी चौक से सुमन कुमार गुप्ता को विजयी बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका भाजपा को दिया गया एक-एक वोट दिल्ली के विकास, आपकी सुविधाओं और आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित होगा। यह केवल प्रतिनिधि चुनने का निर्णय नहीं बल्कि दिल्ली की दिशा तय करने का समय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की 12 में से 12 सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प साफ है—दिल्ली के हर नागरिक के लिए बेहतर भविष्य, बेहतर सुविधाएँ और तेज गति से विकास कार्य।

## सीएम रेखा गुप्ता ने महात्मा ज्योतिबा फुले को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को महान समाज सुधारक और शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महात्मा फुले का जीवन एक ऐसे दीपक की तरह था, जिसने अंधकार से जूझते समाज को शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया। वंचितों, महिलाओं और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए फुले द्वारा किए गए अद्वितीय कार्य आज भी देश की सामाजिक चेतना को दिशा देते हैं। महात्मा फुले का योगदान आज भी एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह समाज में उपस्थित है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

# दिल्ली में वायु प्रदूषण का मामला पहुंचा हाई कोर्ट, दिशा-निर्देश जारी करने की मांग

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक उपाय करने के दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। यह याचिका ग्रेटर कैलाश पार्ट 2 वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से महासचिव संजय राणा ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में वायु खतरनाक श्रेणी में होने के बावजूद ग्रैप-3 हटा दिया गया। ग्रैप-3 हटाने के पहले प्राधिकरणों ने स्थिति को बिगड़ने से बचाने के लिए समय पर जरुरी कदम नहीं उठाये, जिसकी वजह से स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाया, जिसकी वजह से दिल्ली में हेल्थ इमरजेंसी की स्थिति आ गयी है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में लगातार वायु प्रदूषण से लोगों के फेफड़ों पर काफी असर पड़ता है और इससे दिल्ली के लोगों की तबीयत खराब हो रही है। वायु प्रदूषण रोकने के लिए जो वर्तमान में उपाय किए जाने चाहिए वे नहीं किए जा रहे हैं। वायु प्रदूषण रोकने के लिए निर्माण और डेमोलिशन पर खास नजर रखना होगा क्योंकि इससे धूल बढ़ती है। इसके अलावा सड़कों की धूल, वाहनों से उत्सर्जन और औद्योगिक ईकाईयों से उत्सर्जन को भी कम करने पर ध्यान देना होगा। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में खुले में कचरा जलाने पर भी पूरे तरीके से रोक लगाना होगा। दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए कम्प्रिहेंसिव क्लीन एयर एक्शन प्लान बनाने की जरुरत है, जिसमें समयबद्ध तरीके से वायु प्रदूषण रोकने और एक्यूआई में सुधार पर जोर देना होगा।

## केजरीवाल ने एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर से जीएसटी हटाने की मांग की

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगाया गया वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तुरंत हटाने की मांग की। केजरीवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि साफ हवा और साफ पानी हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सहित उत्तर भारत में हवा जानलेवा हो चुकी है और समाधान देने की बजाय सरकार जनता से टैक्स वसूल रही है। उन्होंने जीएसटी वसूल पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि लोग अपने परिवार को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर लेने जाते हैं और वहां पता चलता है कि सरकार उस पर 18 फीसदी जीएसटी वसूल रही है। उन्होंने कहा कि ये जनता के साथ अन्याय है। केजरीवाल ने कहा कि यदि समाधान नहीं दे सकते तो कम से कम जनता की जेब पर बोझ भी नहीं डालना चाहिए।

## संक्षिप्त खबरें

### नाबालिग की हत्या के मामले में दो नाबालिग पकड़े गए

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करावला इलाके में झगड़े के बाद 16 बरस के एक लड़के की कथित तौर पर चाकू गोद कर हत्या कर दी गयी । पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में तीन किशोरों को पकड़ा है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को रोहिणी के एक अस्पताल से किशोर के बारे में सूचना मिली। उन्होंने बताया कि वह चाकू लगने से घायल हुआ था जिसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस की एक टीम अस्पताल पहुंची और बाद में अपराध स्थल का निरीक्षण किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹जांच के दौरान टीम ने मृतक के रिश्ते के भाई (एक किशोर) का बयान दर्ज किया भी है। उसने घटना का प्रत्यक्षदर्शी होने का दावा किया। उसने पुलिस को बताया कि वह अन्य लोगों के साथ झगड़े के बारे में कॉल आने के बाद अपने दोस्त अरमान (18) के साथ घटनास्थल पर पहुंचा था।₹ अधिकारी ने आगे बताया कि मृतक और अन्य लोगों का तीन लड़कों से (सभी 15 साल के थे) झगड़ा हुआ।

### दिल्ली: हत्या के मामले में आरोपित गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस ने एक साइको किलर को 1100 किलोमीटर दूर तक पीछा करके गुजरात से गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान उसकी चप्पलों से हुई, जो वह वारदात के वक्त मौके पर छोड़ गया था। पकड़े गए आरोपित की पहचान सलमान उर्फ बोना (23) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित के ऊपर पहले भी लूट, अपहरण और नाबालिग से दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले दर्ज है। उत्तर-पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 16 नवंबर को आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में एक 50 वर्षीय महिला की लाश मिली थी। कपड़े फटे हुए थे, वह अर्धनग्न अवस्था में थी और शरीर पर कई कट के निशान थे। मौके से एक चाकू, एक जोड़ी महिला चप्पल और एक जोड़ी पुरुषों की चप्पल मिलीं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार नजदीकी शौचालय के सीसीटीवी फुटेज में महिला को स्टेशन की ओर जाते हुए देखा गया। कुछ सेकंड बाद एक युवक गुलाबी शर्ट, ग्रे पैंट और सफेद-ब्लैक चप्पल पहने हुए उसके पीछे जाता दिखा। मौके से जो चप्पल मिली, वही चप्पल सीसीटीवी में आरोपित के पैरों में दिखाई दी। थोड़ी देर बाद वही संदिग्ध बिना चप्पलों के वापस लौटता भी नजर आया। फुटेज का पीछा करते हुए पुलिस बदोला गांव की झुग्गियों तक पहुंची। जहां आरोपित की पहचान सलमान उर्फ बोना के रूप में हुई।

### सात महीने बाद 68 मामलों में वांछित बदमाश गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सात महीने से फरार चल रहे कुख्यात बदमाश तरुण को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर 68 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह थाना अमन विहार का घोषित बदमाश (बीसी) है। इसके साथ ही करोल बाग में एनआरआई महिला से चेन स्नैचिंग के एक चर्चित मामले का भी खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को बताया कि इस साल अप्रैल में अमेरिका के कैलिफोर्निया से आई महिला पर्यटक के साथ करोल बाग में स्नैचिंग की घटना हुई थी। पांच अप्रैल की सुबह करीब 11:50 बजे महिला ने पीएनबी एटीएम, पदम सिंह रोड से पैसे निकाले थे। इसी दौरान काली स्कूटी पर आए दो बदमाशों ने उनकी करीब 15 ग्राम वजन वाली सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर स्कूटी चलाने वाले राहुल को गिरफ्तार कर लिया था और चेन भी बरामद कर ली गई थी। लेकिन उसका साथी तरुण फरार था। अदालत ने उसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 24 नवंबर को हेड कांस्टेबल सुनील को तरुण के अमन विहार में होने की गुप्त जानकारी मिली।

# एनसीआर में चल रहा इंटरनेशनल अफ्रीकी ड्रग कार्टेल ध्वस्त

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो ने संयुक्त अभियान चलाकर दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय अफ्रीकी ड्रग गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह अभियान दोनों राज्यों में अब तक की सबसे बड़ी संयुक्त कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। कई ठिकानों पर दबिश देकर कार्टेल को गिरफ्तार कर करोड़ों की ड्रग्स बरामद की गई और 30 अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेकर डिपोर्टेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई। बरामद ड्रग्स करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य की आंकी गयी है।

क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर में शामिल आरोपितों की मौजूदगी दिल्ली के कई इलाकों में होने की सूचना क्राइम ब्रांच को मिली थी। इसके बाद दोनों एजेंसियों ने कई दिनों तक तकनीकी और मैनुअल निगरानी करके आरोपितों के ठिकाने चिन्हित किए। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि पकड़ा गया कार्टेल लंबे समय से दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किराए के मकानों से ड्रग्स सप्लाई कर रहा था। संयुक्त कार्रवाई में कई जगहों पर एक छापेमारी की गई। इनमें मोहन गार्डन, उत्तम नगर में छापेमारी कर आरोपित जैनब क्योबुतंगी उर्फ पामेला को पकड़ा। उसके पास से 195 ग्राम कोकीन, 24 ग्राम एमडीएमए और 40,500 नकद बरामद किया गया। उसके बाद संत गढ़, तिलक नगर में हुई छापेमारी में बेकी उर्फ बेकी (नाइजीरिया) को दबोचा गया। इसके पास से 5,209 एक्स्टेसी (एमडी) गोलियां, 35.46 ग्राम कोकीन और 78,000 नकद बरामद किया। वहीं बेकी ने पूछताछ में बताया कि उसने हाल ही में ड्रग्स फ्रैंक नामक नाइजीरियाई नागरिक को सप्लाई की थी। पुलिस ने बेकी की निशानदेही पर फ्रैंक के घर रेड से 60 एमडी गोलियां बरामद की।

इस अंतरराष्ट्रीय कार्टेल को भारतीय नागरिकों का सक्रिय सहयोग मिल रहा था, जो इसकी फाइनेंशियल और कम्युनिकेशन सपोर्ट सिस्टम को संभालते थे। इसमें मुख्य गिरफ्तार भारतीय आरोपित बदरुद्दीन (ग्रेटर नोएडा), जफ़र (मेहरौली) और समा उमर शामिल है। इस ऑपरेशन के दौरान दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग किराए के मकानों में रह रहे 30 विदेशी नागरिक, जिनमें 12 महिलाएं, अवैध रूप से भारत में ठहरे मिले। इनमें से 18 पुरुषों को तुरंत डिपोर्टेशन सेंटर भेजा गया। वहीं क्राइम ब्रांच और तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने कहा है कि वे ड्रग तस्करी और अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे। नेटवर्क के बच गए सदस्यों, पैसों के रूट और अन्य राज्यों में जुड़े लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।

# दिल्ली के स्कूलों में 2026-27 के लिए नर्सरी प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

**नई दिल्ली।** दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें 'स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी' सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं। द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किलोमीटर दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किलोमीटर के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। 'बच्चे की स्थिति' श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

# दिल्ली पुलिस का 'साइबर संवाद 2.0' कार्यक्रम

## 1000 से अधिक स्कूलों के लाखों विद्यार्थियों से सीधा संवाद

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने शिक्षा निदेशालय और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4सी) के सहयोग से शुक्रवार को 'साइबर संवाद 2.0' के तहत शिक्षकों और स्कूली बच्चों के लिए एक वर्चुअल साइबर जागरूकता सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में हुआ। सत्र में दिल्ली के करीब 1000 से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों के लाखों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने हाइब्रिड माध्यम से भाग लिया। जबकि एनडीएमसी के करीब 250 विद्यार्थी और शिक्षक कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली पुलिस के पीआरओ संजय त्यागी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी और I4सी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की साइबर बुलिंग या ऑनलाइन उत्पीड़न के मामलों में अभिभावक और शिक्षक बिना हिचक पुलिस से संपर्क करें। कार्यक्रम में दीप ग्रुप द्वारा साइबर अपराध जागरूकता पर आधारित एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के महत्व से जोड़ते हुए खूब प्रभावित किया। इसके बाद आईएफएसओ के एसीपी मनोज कुमार ने बच्चों को तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल पहचान की सुरक्षा, साइबर बुलिंग, साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, फर्जी जॉब ऑफर, साइबर स्लेवरी और डिजिटल अरेस्ट जैसे खतरों के बारे में जागरूक किया। छात्रों को दो-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करने, सतर्क रहने और साइबर सुरक्षा से जुड़े एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध की रिपोर्टिंग में "गोल्डन आवर" के महत्व पर भी प्रकाश डाला। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह छात्रों, शिक्षकों और नागरिकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए निरंतर जागरूकता और प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# दिल्ली: हत्या के मामले में फरार आरोपी 25 साल बाद गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 25 वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी देराज उर्फ राज सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली, उप्र और उत्तराखंड में टैक्सी ड्राइवरों की हत्या कर गाड़ियां लूटने वाले गैंग से जुड़ा हुआ था। वह चार हत्या व लूट के मामलों में भगोड़ा था और पुलिस से बचने के लिए नई पहचान के साथ रह रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि मामला साल 2001 का है। न्यू अशोक नगर इलाके में दो व्यक्ति गंभीर हालत में मिले थे, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया था कि देराज और उसके साथी टैक्सी किराए पर लेते थे, रास्ते में ड्राइवरों की हत्या कर कार नेपाल में बेच देते थे। उस समय दो आरोपित पकड़े गए थे लेकिन देराज और उसका साथी अजय लांबा फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम ने उसकी गिरफ्तारी के लिए महीनों निगरानी की। आरोपित के भाई धीरेंद्र को पहले ही पैरोल जंप करने पर गिरफ्तार किया जा चुका था। इसी दौरान पता चला कि देराज ने नाम बदलकर राज सिंह रख लिया है और उप्र के सिकंदरपुर कलां क्षेत्र में अलग रह रहा है। पूछताछ में देराज ने कबूल किया वह साल 1999 से 2001 के बीच हल्द्वानी, अल्मोड़ा और लोहाघाट में दर्ज अन्य हत्या और लूट की वारदातों में भी शामिल था। आरोपित को कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, जबकि उसका साथी अजय लांबा अब भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है।

# 'ठक-ठक गैंग' के दो सदस्य गिरफ्तार, लैपटॉप-स्कूटी समेत कई चीजें बरामद

**नई दिल्ली।** दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले के आरके पुरम थाना पुलिस ने कुख्यात 'ठक-ठक गैंग' के दो सक्रिय अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान संजू उर्फ संजू मद्रासी (26) और गौरव उर्फ रिंकू (26) के रूप में हुई है। दोनों अंबेडकर नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी हुआ लैपटॉप, पैन कार्ड, आधार कार्ड, विभिन्न बैंकों के डेबिट/क्रेडिट कार्ड, अन्य जरूरी दस्तावेज और वारदात में उपयोग की गई स्कूटी बरामद की है।

ये दोनों आरोपी दिल्ली के दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम जिलों में लूट, स्नैचिंग, चोरी, धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े कुल 15 मामलों में पहले भी शामिल पाए गए हैं। 21 नवंबर को शिकायतकर्ता अपनी कार से ओखला से द्वारका जा रही थी। रिंग रोड पर हयात होटल के पास दो युवक स्कूटी पर आए और उनकी कार में समस्या बताकर रुकने का इशारा किया। जैसे ही वह कार से उतरी, उनमें से एक युवक ने कार के अंदर रखा काला बैग उठा लिया और फरार हो गए। शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज की गई और तुरंत जांच शुरू हुई। वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें एसआई सत्येंद्र गुलिया, एचसी सम्पत राम, एचसी कुलदीप, एचसी राम फूल, एचसी इंद्रपाल, कॉन्स्टेबल संदीप और सुदेश शामिल थे। टीम ने मौके का निरीक्षण किया, गैंग की मोडस ऑपरेंडी का विश्लेषण किया और मुखबिर तैनात किए। विशेष सूचना के आधार पर गौरव उर्फ रिंकू को 23 नवंबर को और संजू उर्फ संजू मद्रासी को 24 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। दोनों की निशानदेही पर चोरी का सामान और स्कूटी बरामद कर ली गई। यह गैंग कार चालकों का ध्यान भटकाकर चोरी करता है। पहले स्कूटी से पास आकर कार में खराबी (जैसे टायर पंक्चर) का संकेत देता है, फिर चालक के नीचे उतरते ही दूसरा सदस्य कार से कीमती सामान निकाल लेता है। इसके बाद दोनों अलग-अलग दिशाओं में भाग जाते हैं ताकि पीछा करना मुश्किल हो जाए। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

# कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां में गोलीबारी में शामिल गैंगस्टर गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में कथित रूप से शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने कथित तौर पर घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों का करीबी सहयोगी है और माना जाता है कि ढिल्लों विदेशों में व्यापारियों और हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों को निशाना बनाकर वसूली करने वाले कई गिरोहों में शामिल है। जांचकर्ताओं के अनुसार सिंह, ढिल्लों से जुड़े कई लोगों के साथ मिलकर लोकप्रिय कलाकार को डराने-धमकाने के लिए उसके रेस्तरां को निशाना बनाने की व्यापक साजिश का हिस्सा था। अधिकारी ने बताया, ₹जांच के दौरान हमें पता चला कि सिंह के खिलाफ कनाडा में मामला दर्ज होने के बाद वह वहां से भाग गया था। हम उसके यात्रा मार्ग की पड़ताल कर रहे हैं।₹ उन्होंने बताया कि पुलिस को सिंह के लुधियाना में छिपे होने की सूचना मिली थी। अधिकारी ने कहा, ''उसके पास से कारतूस सहित एक चीनी पिस्तौल बरामद की गई है। साजिश में उसकी भूमिका और विदेशी गुर्गों के साथ उसके संबंधों की जांच की जा रही है।'' अधिकारियों ने बताया कि अन्य षड्यंत्रकारियों की पहचान करने तथा भारत और विदेशों में गिरोह की गतिविधियों का पता लगाने के लिए भी जांच जारी है।

## संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

# कोच और कप्तान जिम्मेदारी समझें

अपने ही घर में, अपने ही मैदान पर प्रिंस शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम जब कोलकाता के ईडन गार्डेन में दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन बुरी तरह पराजित होकर पैवेलियन लौटी थी, तभी क्रिकेट के जानकारों ने साफ कर दिया था कि गुवाहाटी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भी अफ्रीकी गेंदबाजों की रफ्तार के आगे भारतीय टीम बिखर जाएगी। मगर वह इतनी बुरी तरह बिखर जाएगी, ऐसी कल्पना शायद क्रिकेट के पंडितों ने भी नहीं की थी! खेलों में हार और जीत चलती रहती है, लेकिन संघर्ष करके हारने वाली टीम अक्सर जीतने वाले से भी अधिक सम्मान पाती है। भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं हुआ।

**टीम इंडिया के साथ संभवतः** यह विडंबना है कि वह चाहे जीते या हारे, दोनों ही परिस्थितियों में रिकॉर्ड अपने नाम करती ही है। गुवाहाटी टेस्ट में हार के बाद उसके नाम टेस्ट क्रिकेट में 408 रनों से सबसे बड़ी हार का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के संन्यास के बाद भी टीम इंडिया के पास बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद थे, लेकिन नए अनुभवहीन कप्तान और कोच के अड़ियल रवैये के चलते खिलाड़ियों को मैदान में कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं मिला। इसी कारण अपने ही घर में भारत को इस तरह करारी शिकस्त मिली है। जब जीत का सेहरा कप्तान और कोच, दोनों बराबर बांटते हैं, तो हार की जिम्मेदारी भी उनको समान रूप से स्वीकार करनी चाहिए। खिलाड़ियों पर दोषारोपण कर देने मात्र से कप्तान और कोच अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। असलियत यही है कि टीम इंडिया के कोच अक्सर हाथ बांधे, मुंह चढ़ाए बैठे रहते हैं। उन्हें शायद ही कभी खिलाड़ियों को मुस्कराकर प्रेरित करते या उनमें जोश भरते देखा गया है। वह अपना चेहरा इतना 'गंभीर' बनाए रखते हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम अपना नैसर्गिक खेल ही नहीं खेल पाती। यह तस्वीर अब बदलनी चाहिए। कोच और कप्तान को मिलकर ऐसी रणनीति बनानी चाहिए, जिससे टीम इंडिया फिर से अर्श पर पहुंचती दिखे। यह सच है कि अपने ही घर में एक छोटे कद के अफ्रीकी कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में हमें इतनी बड़ी हार दी है कि उसके घाव जल्द भर नहीं पाएंगे, लेकिन उम्मीद का दामन हमें छोड़ना नहीं चाहिए। अगर आज हम फर्श पर हैं, तो कल फलक पर फिर चमकेंगे। कोच और कप्तान चाहें, तो आपस में मिलकर यह भरोसा क्रिकेटप्रेमियों को दे सकते हैं।

# फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

*10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, आईसीआरसी ने 20 बंधकों को इज़राइली अधिकारियों और 1, 808 फ़िलिस्तीनी बंदियों को गाज़ा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1, 718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और आईसीआरसी ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फ़िलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है। फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फ़िलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फ़िलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा।*

-दिलीप कुमार पाठक-

## फिलीस्तीन एकजुटता दिवस पर विशेष



फिलीस्तीन लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फ़िलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाज़ा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फ़िलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। ग़ाज़ा में पिछले वर्षों में हज़ारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाक़ा अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुज़र रहा है, और नाज़ुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है। गाज़ा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं।

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, आईसीआरसी ने 20 बंधकों को इज़राइली अधिकारियों और 1, 808 फ़िलिस्तीनी बंदियों को गाज़ा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1, 718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और आईसीआरसी ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फ़िलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फ़िलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फ़िलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है।

इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फ़िलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फ़िलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सज़ा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है।

फ़िलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख़ नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाज़ा में 52, 000 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज़्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फ़िलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।

पूर्व में फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाज़ा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। यूएनआरडब्लूए 663 से ज़्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमज़ोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30, 000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फ़िलिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फ़िलिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की ज़रूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाज़ा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियो की सुबह हो।

# अर्थव्यवस्था में डिजिटल छलांग के भरोसे उद्यमों का विकास संभव नहीं

-आर. सूर्यमूर्ति-

एनएसओ को अपने सैंपलिंग फ्रेमवर्क को फिर से डिज़ाइन करना, तिमाही अनुमानों की ओर बढ़ना, और हाई-फ्रीक्वेंसी मेजरमेंट पर ज़ोर देना, सभी स्वागतयोग्य हैं। लेकिन आंकड़ों से आखिर में यह पता चलता है कि यह सेक्टर बहुत ज़्यादा फैला हुआ है, तेज़ी से बदल रहा है, अपने आप डिजिटाइज़ हो रहा है-फिर भी यह ऐसे माहौल का इंतज़ार कर रहा है जो इसे सिफ़र् एक सेफ्टीनेट से ज़्यादा बनने दे। भारत के अनौपचारिक क्षेत्र (अनइनकॉरपोरेटेड नॉन-एग्रीकल्चरल सेक्टर) के गत तिमाही के बुलेटिन, पहली नजर में, वैश्विक झटकों से जूझ रही अर्थव्यवस्था के लिए एक मामूली जीत की तरह लगते हैंः डिजिटल संरचना अपनाने की रफ़्तार तेज़ी से बढ़ रही है, उद्यम थोड़े आगे बढ़े हैं, और रोजग़ार स्थिर बना हुआ है। लगभग 39प्रतिशत उद्यम अब किसी न किसी रूप में इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसे सेक्टर के लिए एक चौंकाने वाला बदलाव है जो लंबे समय से खाता-बही और नकद लेन-देन पर टिका हुआ है। उद्यमों की संख्या बढ़कर 7.97 करोड़ हो गयी, रोजग़ार12.86 करोड़ पर बना रहा, और शहरी श्रमिकों को काम पर लेने में मज़बूती आयी।

लेकिन यह विस्तार की नहीं, बल्कि दबाव में ढलने की कहानी है, एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो ज़रूरत की वजह से डिजिटाइज़ हो रही है, न कि बड़े सपने की वजह से, और एक अनौपचारिक क्षेत्र जो उस बोझ को बनाए रखने के लिए ज़रूरी उत्पादकता, तेज़ी या ढांचागत समर्थन हासिल किए बिना भारत के श्रम बाजार का बोझ उठा रहा है।

एक सेक्टर जो उद्यम नहीं जोड़ रहा है, बल्कि तेज़ी से ऑनलाइन हो रहा है, वह बाहरी दबावों का जवाब दे रहा हैः कस्टमर डिजिटल पेमेंट की मांग कर रहे हैं, बाजार ऑनलाइन हो रहे हैं, जीएसटी से जुड़े कम्प्लायंस में सख्ती हो रही है, और आपूर्ति श्रृंखला का तेज़ी से पता लगाने की क्षमता और ऑनलाइन इनवॉइसिंग की ज़रूरत पड़ रही है। यह कोई डिजिटल क्रांति नहीं है; यह ज़िंदा रहने का काम है।

उद्यमों में मामूली बढ़ोतरी-लगभग 8 करोड़ में लगभग 3 लाख-नई उद्यमिता ऊर्जा का संकेत देने के लिए बहुत कम है। जब भारत 2000 के दशक में सबसे तेज़ी से बढ़ रहा था, तो उद्यम वृद्धि एक मुख्य वजह थीः छोटे मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बढ़े, रिटेल इकाइयां बढ़ीं, और ग्रामीण और शहरी दोनों जगहों पर सर्विस व्यापार तेज़ी से बढ़े। आज का उद्यम आंकड़ा एक ऐसे क्षेत्र की ओर इशारा करता है जो बढ़ नहीं रहा है, बल्कि बना हुआ है। विस्तार के बजाय, डेटा जो दिखाता है वह निरंतरता है-एक होल्डिंग पैटर्न।

गंभीर बात रोजग़ार का कम्पोज़िशन है। काम पर रखे गए कामगार का हिस्सा 24.38 प्रतिशत से बढ़कर 25.91 प्रतिशत हो गया है। यह छोटे लेवल पर एक सकारात्मक संकेत है -इसका मतलब है कि उद्यमों में इतना हौसला है कि वे वेतन का खर्च उठा सकें। लेकिन समष्टिस्तर पर तस्वीर उतनी अच्छी नहीं है। इस क्षेत्र में अभी भी लगभग 60प्रतिशत कामगार तो मालिक हैं, जो याद दिलाता है कि भारत का रोजगार आधार अभी भी ज़्यादातर स्वरोजगार, कम उत्पादकता वाला और झटकों के प्रति कमज़ोर है। स्व-शोषण पर हावी श्रम बाजार उस तरह का वेतन आधारित विकास नहीं दे सकता, जिसकी कई अर्थशास्त्रियों का कहना है, भारत को अभी तुरंत ज़रूरत है। अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर श्रमिकों को इसलिए काम पर नहीं लगा पा रहा है वे बढ़ रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि घरों के पास रोजगार के बेहतर अवसर नहीं हैं। यह 'रोजगार में लोच का फंदा हैः जब औपचारिक क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर गिरती है, तो अनौपचारिक क्षेत्र अपने आप बढ़ जाता है -ताकत से नहीं, बल्कि अवसरों की कमी से।

यह उछाल एक जाने-पहचाने सीजनल पैटर्न में फिट बैठता हैः मज़दूर खरीफ़ के मौसम के बाद खेती से लौटते हैं और छोटी वर्कशॉप, फैब्रिकेशन यूनिट, रिपेयर शॉप और घर से चलने वाले मैन्युफैक्चरिंग में फिर से लग जाते हैं। यह लेबर रोटेशन है, लेबर अपग्रेडिंग नहीं। सालों से, नीति बनाने वालों ने इन तिमाही उतार-चढ़ाव को लगातार मैन्युफैक्चरिंग में सुधार के संकेत के तौर पर गलत समझा है।

शहरी-ग्रामीण तुलना अधिक वीभत्स है। शहरी कामगारों की संख्या 6.61 करोड़ से बढ़कर 6.91 करोड़ हो गई, जो एक ही तिमाही में एक बड़ी बढ़ोतरी है। ग्रामीण रोजग़ार में मुश्किल से ही कोई बदलाव आया। यह बड़े मैक्रो संकेतक के मुताबिक हैः उपभोग अभी भी शहरी उच्च-मध्य वर्ग के परिवारों से चलता है, ग्रामीण मांग अभी भी कमज़ोर है, और ज़रूरी चीज़ों- खासकर खाने की चीज़ों- में महंगाई ने समय-समय पर ग्रामीण वास्तविक आय को कम किया है।

इसलिए, अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर का शहरी झुकाव भारत की रिकवरी को आकार देने वाले गहरे अंतर को दिखाता है।

महिलाओं के रोजग़ार की बढ़ी मज़बूती -कार्यबल का लगभग 29प्रतिशत-कुछ ढांचागत रूप से अच्छे संकेतों में से एक है। अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी घर से काम, माइक्रो-सर्विसेज और डिजिटल-इनेबल्ड स्वरोजगार की ओर बदलाव का संकेत देती है परन्तु इसकी भी सीमाएं हैं। अनौपचारिक, कम पूंजी वाले उद्यमों में केंद्रित महिलाएं मैक्रोइकॉनॉमिक उत्पादकता पर कोई खास असर नहीं डाल सकतीं। विकास पथ, कर्ज तक पहुंच, या औपचारिक आपूर्ति श्रृंखला से लिंक के बिना, महिलाओं के श्रम का लाभ कम विकास दर लूप में फंसा रहता है।

भारत के विकास की कहानी तेज़ी से एक उलझन पर निर्भर होती जा हैः वह यह कि अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिकीकरण बढ़ने पर भी कामगारों को काम पर लेते रहना चाहिए; उद्यमों को आगे बढ़ाने का फ़ायदा उठाए बिना डिजिटाइज़ करना होगा; उत्पादकता न बढ़ने पर भी रोजग़ार बढ़ना चाहिए; और यह भी कि अर्थव्यवस्था को तब भी बढ़ना चाहिए जब उसका सबसे बड़ा जॉब-क्रिएटिंग सेगमेंट कम मार्जिन और कम बफ़र पर काम कर रहा हो।

एनएसओ को अपने सैंपलिंग फ्रेमवर्क को फिर से डिज़ाइन करना, तिमाही अनुमानों की ओर बढ़ना, और हाई-फ्रीक्वेंसी मेजरमेंट पर जोर देना, सभी स्वागतयोग्य हैं। लेकिन आंकड़ों से आखिर में यह पता चलता है कि यह सेक्टर बहुत ज़्यादा फैला हुआ है, तेज़ी से बदल रहा है, अपने आप डिजिटाइज़ हो रहा है -फिर भी यह ऐसे माहौल का इंतज़ार कर रहा है जो इसे सिफ़र् एक सेफ्टीनेट से ज़्यादा बनने दे। यह एक कड़वी सच्चाई हैः भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था वह सब कुछ कर रही है जो वह कर सकती है, लेकिन यह अकेले देश के विकास को बोझ ज़्यादा समय तक नहीं उठा सकती।

# मंदिरों की मणिमाला का मोती है जगत का अम्बिका मंदिर

धर्मकर्म

सरस्वती, नृत्य भाव में गणपति, महिषासुर मर्दिनी, नवदुर्गा, वीणाधारिणी, यम, कुबेर, वायु, इन्द्र, वरूण, प्रणय भाव में युगल, अंगड़ाई लेते हुए व दर्पण निहारती नायिका, शिशु क्रीडा, वादन, नृत्य आकृतियां एवं पूजन सामग्री सजाये रमणी आदि कलात्मक प्रतिमाओं का अचंभित कर देने वाली मूर्तियों का खजाना और आदित्य स्थापत्य कला को अपने में समेटे जगत का अम्बिका मंदिर राजस्थान के मंदिरों की मणिमाला का मोती कहा जा सकता है। मूर्तियों का लालित्य, मुद्रा, भाव, प्रभावोत्पादकता, आभूषण, अलंकरण, केशविन्यास, वस्त्रों का अंकन और नागर शैली में स्थापत्य का आकर्षण इस शिखरबंद मंदिर को खजुराहो और कोणार्क मंदिरों की श्रृंखला में ला खड़ा करता है। मंदिर के अधिष्ठान, जंघाभाग, स्तम्भों, छतों, झरोखों एवं देहरी का शिल्प-सौन्दर्य देखते ही बनता है। जगत का अम्बिका मंदिर राजस्थान में उदयपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर गिर्वा की पहाड़ियों के बीच बसे कुराबड़ गांव के समीप अवस्थित है। मंदिर परिसर करीब 150 फीट लम्बे ऊंचे परकोटे से घिरा है। पूर्व की ओर प्रवेश करने पर दुमंजिले प्रवेश मण्डप पर बाहरी दीवारों पर प्रणय मुद्रा में नर-नारी प्रतिमाएं, द्वार स्तम्भों पर अष्ठमातृका प्रतिमाएं, रोचक कीचक आकृतियां तथा मण्डप की छत पर समुद्र मंथन के दृश्यांकन दर्शनीय हैं। छत का निर्माण परम्परागत शिल्प के अनुरूप कोनों की ओर से चपटे एवं मध्य में पद्म केसर के अंकन के साथ निर्मित है। मण्डप में दोनों ओर हवा और प्रकाश के लिए पत्थर से बनी अलंकृत जालियां ओसियां देवालय के सदृश्य हैं। प्रवेश मण्डप और मुख्य मंदिर के मध्य खुला आंगन है। प्रवेश मण्डप से मुख्य मंदिर करीब 50 फुट की दूरी पर पर्याप्त सुरक्षित अवस्था में है। मंदिर के सभा मण्डप का बाहरी भाग दिग्पाल, सुर-सुंदरी, विभिन्न भावों में रमणियों, वीणाधारिणी, सरस्वती, विविध देवी प्रतिमाओं की सैंकड़ों मूर्तियों से सज्जित है। दायीं ओर जाली के पास सफेद पाषाण में निर्मित नृत्य भाव में गणपति की दुर्लभ प्रतिमा है। मंदिर के पार्श्व भाग में बनी एक ताक में महिषासुर मर्दिनी की प्रतिमा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उत्तर एवं दक्षिण ताक में भी विविध रूपों में देवी अवतार की प्रतिमाएं नजर आती हैं।

## आज का इतिहास

1516 - फ्रांस और स्विट्जरलैंड ने फ्रेईबर्ग के शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया।
1759 - दिल्ली के बादशाह आलमगीर द्वितीय की हत्या।
1775 - सर जेम्स जे ने अदृश्य स्याही का अविष्कार किया।
1830 - पोलैंड में रूस के शासन के खिलाफ नवंबर विद्रोह शुरु हुआ।
1870 - ब्रिटेन में आवश्यक शिक्षा कानून लागू हुआ।
1889 - बेंगलुरू के लालबाग़ गार्डन में 'ग्लास हाउस'की आधारशिला रखी गई।
1916 - अमेरिका ने डोमिनिकन रिपब्लिक में मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की।
1944 - अलबानिया को नाजी कब्जे से छुड़ाया गया।
1947 - भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन होने पर निज़ाम ने भारत में शामिल होने की अपेक्षा स्वतंत्र रहना चाहा।
1949 - पूर्वी जर्मनी में यूरेनियम खदान में विस्फोट से 3700 लोग मरे।
1961 - दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन भारत आये।
1970 - हरियाणा सौ फीसदी ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य पाने वाला पहला भारतीय राज्य बना।
1987 - कोरियाई विमान फ्लाइट 858 में थाईलैंड-म्यांमार की सीमा के पास विस्फोट में 115 लोगों की मौत।
1989 - तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने इस्तीफा दिया।
1999 - महाराष्ट्र के नारायण गाँव में विश्व का सबसे बड़ा मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप खुला।
2001 - अफ़ग़ान गुट अंतरिम परिषद पर राजी हुए।
2004 - आसियान देशों ने चीन के साथ व्यापार के समझौते को अंतिम रूप प्रदान किया।
2005 - शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
2006 - पाकिस्तान ने मध्यम दूरी वाले मिसाइल 'हत्फ़-4', जिसे शाहीन-I भी कहा जाता है, उसका सफल परीक्षण किया।
2007 - जनरल अशरफ़ परवेज कियानी ने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख की कमान सम्भाली।
2008 - 60 घंटे आपरेशन के बाद कमांडो ने मुम्बई को आतंकियों से मुक्त कराया।

# मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

-मनोज कुमार अग्रवाल-

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं का भी खुला उल्लंघन करती है।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरुआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी विस्तारवादी नीतियां अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है।

दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90, 000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वार्ताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दर्रे तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे। लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

# भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुराने ढांचे पर भरोसा नहीं कर सकते: राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' में तकनीकी रूप से मजबूत भारत की यात्रा पर प्रकाश डाला

**नई दिल्ली**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मानेकशा सेंटर में 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के दूसरे दिन शुक्रवार को अपने समापन भाषण में तकनीकी रूप से भारत के मजबूत होने की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब भारत ताकत, सुरक्षा और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ता है, तो दुनिया को कई तरह से फायदा होता है।

एक स्थिर भारत एक स्थिर वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में योगदान देता है। हमारी आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकीय काबिलियत और उसूलों वाली विदेशी नीति ने हमें संतुलित और जिम्मेदारी की आवाज बना दिया है। उन्होंने कहा कि हम सुरक्षा और कनेक्टिविटी दोनों को सहायता करने के लिए सीमा और समुद्री ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफॉर्म, प्रौद्योगिकी और संरचना के जरिए अपने सशस्त्र बलों को आधुनिक कर रहे हैं। हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही पक्का करने के लिए खरीद प्रक्रिया में सुधार कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत के जरिए हम एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं, जो नवाचार को बढ़ावा देता है, उद्योगों की सहायता करता है, और बाहरी निर्भरता को कम करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस बदलते वैश्विक माहौल में भारत की जगह भी बदल रही है। हमारी आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकीय काबिलियत और उसूलों वाली विदेशी नीति ने हमें संतुलित और जिम्मेदारी की आवाज बना दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत ग्लोबल चर्चाओं के हाशिये पर नहीं खड़ा है, बल्कि हम उन्हें सामने आती हैं, जिनमें आतंकवाद, कट्टरपंथी तत्वों को सीमा पार से सहयोग, मौजूदा हालात को बदलने की कोशिशें, समुद्री दबाव और यहां तक कि सूचना युद्ध भी। ये मुश्किल हालात हैं, जिनके लिए लगातार सावधान रहने और मकसद साफ रखने की जरूरत होती है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि भारत ने हमेशा शांति और बातचीत में विश्वास किया है और हम इसी नजरिए पर कायम हैं।

मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि जब हमारी संप्रभुता और हमारे लोगों की सुरक्षा की बात आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। हमारे सशस्त्र बलों ने बार-बार दिखाया है कि वे काबिल और तैयार हैं। संयम और मजबूती का यही मेल हमें अपने पड़ोस की चुनौतियों से निपटने और इलाके की स्थिरता में योगदान देने में मदद करता है। जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ हो जाती है कि हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुराने ढांचे पर भरोसा नहीं कर सकते। दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है और खतरों का स्वरूप खतरनाक होता जा रहा है। इसलिए सुधार अब कोई पसंद नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत बन गए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार यह पक्का करने के लिए लगातार कदम उठा रही है कि हमारे सशस्त्र बल भविष्य के लिए तैयार रहें और हमारा देश भरोसे के साथ आगे बढ़े।

हम स्टार्टअप्स, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान और विकास में निवेश कर रहे हैं, जो भविष्य के युद्ध के मैदानों को आकार देंगे। इस तरह एक सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत अकेला नहीं रहेगा। यह अच्छाई के लिए एक ताकत बनेगा और एक ऐसा देश बनेगा, जो दुनिया की शांति और इंसानी भलाई को मजबूत करेगा। जब भी हम एक मजबूत, सुरक्षित और विकसित भारत की बात करते हैं, तो मेरे मन में सबसे पहले हमारे सशस्त्र बलों की भूमिका का ख्याल आता है। उनकी हिम्मत, अनुशासन और प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रीढ़ हैं, लेकिन उनका योगदान हमारी सीमाओं की रक्षा करने से कहीं ज्यादा है।

## रेल मंत्री ने दिल्ली-चंडीगढ़ रेल मार्ग का विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया

**नई दिल्ली**। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह के साथ दिल्ली से चंडीगढ़ तक विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों मंत्रियों ने ट्रैक मेंटेनर, पीडब्ल्यूआई तथा सिग्नल विभाग के मेंटेनेंस स्टाफ से संवाद किया।

मौके पर स्टाफ ने फील्ड में काम के दौरान आने वाली चुनौतियों से मंत्रियों को अवगत कराया। रेल मंत्री ने सिग्नल, रिले, पॉइंट्स, टर्नआउट और क्रॉसिंग समेत विभिन्न तकनीकी पहलुओं के मेंटेनेंस को लेकर विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने विश्व स्तर पर अपनाई जा रही उन्नत सिग्नल एवं ट्रैक मेंटेनेंस प्रक्रियाओं का उल्लेख किया और बेहतर कार्यपद्धति अपनाने के लिए स्टाफ को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं सुरक्षित रेल संचालन के लिए मेंटेनेंस की गुणवत्ता में सतत सुधार अत्यंत आवश्यक है।

## चक्रवात 'दित्वा' से प्रभावित श्रीलंका की मदद को आगे आया भारत

**नई दिल्ली**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा के कारण हुई जानमाल की हानि पर दुख प्रकट किया है। साथ ही प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, सुविधा और शीघ्र रिकवरी की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि देश की पड़ोसी प्रथम की नीति और महासागर विजन के तहत इस जरूरत के समय में भारत श्रीलंका के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका भारत का करीबी समुद्री पड़ोसी है।

उसके साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत ने ऑपरेशन 'सागर बंधु' के तहत तत्काल राहत सामग्री भेजी है। हम बदलती परिस्थिति के अनुरूप मदद और सहयोग मुहैया कराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दूसरी ओर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक पोस्ट में कहा कि ऑपरेशन 'सागर बंधु' जारी है। आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि से राहत सामग्री कोलंबो में स्थानीय प्रशासन को सौंप दी गई है और आगे के जरुरी कार्य किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मानसून बाद हिन्द महासागर में एक टॉपिकल चक्रवात दित्वा बना है और इसने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। इस बात की भी आशंका है कि यह भारत के दक्षिण पश्चिमी राज्यों को आने वाले दिनों में प्रभावित करेगा। तूफान ने आज श्रीलंका के तट पर दस्तक दी, जिसके चलते बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार इससे 56 लोगों की मौत हो गयी है और 21 लोग लापता हैं। भारी बाढ़ के कारण ढांचागत संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

## नगालैंड में दवाओं, चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा मजबूत करने को 3 महत्वपूर्ण समझौते

**नई दिल्ली**। भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) ने शुक्रवार को नगालैंड में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। ये समझौते नगालैंड मेडिकल काउंसिल, नगालैंड स्टेट ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और नगालैंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल के साथ किए गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस समझौते का उद्देश्य है राज्य में दवाओं और उपकरणों से होने वाले दुष्प्रभावों की रिपोर्टिंग बढ़ाना, डॉक्टरों, फार्मासिस्टों और स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण देना, अधिक एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर बनाना और मरीजों को सुरक्षित दवाओं का उपयोग सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नगालैंड मेडिकल काउंसिल पहला राज्य मेडिकल काउंसिल बना जिसने आईपीसी के साथ ऐसा समझौता किया है। इसका लाभ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचेगा। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आईपीसी की ओर से आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षित उपयोग और मरीज सुरक्षा को और मजबूत करना था। इस मौके पर आईपीसी के सचिव और वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वी. कैलासेलवन, डॉ. केविहुलिए मेयासे (रजिस्ट्रार, नगालैंड मेडिकल काउंसिल), इमलिलीला (असिस्टेंट ड्रग्स कंट्रोलर) और खेले थोरी (रजिस्ट्रार, नगालैंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल) मौजूद थे।

# दिल्ली पुलिस का गौरव: गाज़ीपुर थाना देश का नंबर-1 पुलिस स्टेशन

❖ जनभावना टाइम्स

**रायपुर (छत्तीसगढ़)।** देशभर के पुलिस थानों में सर्वश्रेष्ठ का ताज दिल्ली पुलिस के गाजीपुर थाने के सिर सजा है। रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक पुलिस महानिरीक्षक कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा घोषित राष्ट्रीय रैंकिंग में गाजीपुर पुलिस स्टेशन ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

यह रैंकिंग अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, जनता के साथ सहभागिता, तकनीकी उपयोग, महिला एवं बाल सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन तथा समुदायिक पुलिसिंग जैसे कई पैमानों पर थानों के वार्षिक प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाती है। गाजीपुर थाना SHO उपाध्याय बालाशंकरन के नेतृत्व में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस बार देश के नंबर-1 थाने का खिताब अपने नाम करने में सफल रहा।दूसरा स्थान अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पुलिस को और तीसरा स्थान कर्नाटक पुलिस को मिला है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने गाजीपुर थाने की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि थाने के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, जनता का विश्वास और आधुनिक पुलिसिंग मॉडल का परिणाम है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार शर्मा और उनकी टीम ने स्थानीय स्तर पर अपराधों पर अंकुश, त्वरित कार्रवाई और जनता से सीधा संवाद बनाए रखने में उल्लेखनीय काम किया है।

गाजीपुर थाने की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे दिल्ली पुलिस बल का मान बढ़ा है। स्थानीय लोगों ने भी थाने की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी दिन-रात की मेहनत और जनसेवा का उचित सम्मान है। दिल्ली पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि गाजीपुर थाना अब अन्य थानों के लिए रोल मॉडल बनेगा और इसके अच्छे कार्यों को पूरे दिल्ली में लागू किया जाएगा।

देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का खिताब जीतकर गाजीपुर थाने ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सही दिशा में की गई मेहनत और जनता का साथ मिले तो पुलिसिंग के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

## हेमंत सरकार के कार्यकाल के एक साल के बाद भी झारखंडियों के सपने अधूरे : नायक

**रांची**। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सरकार के एक साल के कार्यकाल के बावजूद आज भी झारखंडवासियों के सपने अधूरे हैं।

उन्होंने कहा कि जिन पूंजिपतियों को सरकार से लाभ हो रहा है। ऐसे पूंजीपतियों के पास स्थानीयों को मजदूरी करने के अवाले दूसरा कोई वकिल्प नहीं है। नायक ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आदिवासी-मूलवासियों की बहुचर्चित मांग 1932 खतियान को लागू करने के वादे के साथ सत्ता में आये हेमंत सोरेन ने कई कारण गिनाकर इसे लागू नहीं किया। इसका सीधा असर झारखंड के स्थानीय युवाओं के रोजगार पड रहा है। वहीं राज्य में खनन नीति का सही ढंग से अनुपालन नहीं होने से आज भी लोगों को विस्थापन को दंश झेलना पड रहा है।

## भारतीय सेना आज नए गौरवशाली अंदाज में खड़ी है : सांसद गुप्ता

**मंदसौर**। मध्य प्रदेश के मंदसौर में शुक्रवार को जिला स्तरीय भूतपूर्व सैनिक सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहीद सैनिकों के परिवारजनों एवं भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान कर उन्हें राष्ट्र-निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए नमन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, कलेक्टर अदिती गर्ग, विधायक विपिन जैन, कर्नल एवं सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिवारजन उपस्थित थे।

समारोह के दौरान स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए, जिनमें सैनिकों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर आवश्यक परामर्श, सेवाएं और सुविधाएं प्रदान की गईं। स्टालों का व्यापक रूप से लाभ लिया गया।

सांसद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में भारतीय सेना अपने आप में एक नए, आधुनिक और मजबूत अंदाज में विश्व पटल पर खड़ी है। उन्होंने सभी सैनिक परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेना आज देश की प्रेरणा शक्ति बनी हुई है। व्यापक बजट, आधुनिक तकनीक, हथियार प्रणाली और नई सैन्य क्षमताओं के कारण भारत ने दुनिया में अपना सम्मानजनक स्थान और मजबूत पहचान बनाई है। कलेक्टर अदिती गर्ग ने कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों को एक छत के नीचे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु मंच से ही सभी जानकारी प्रदान की जा रही है। किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए वे निःसंकोच अपनी बात रखें, प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

## सीएम नीतीश ने पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का किया निरीक्षण

**पटना**। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पीएमसीएच का पुनर्विकास किया जा रहा है तथा इसे नए रूप में लोगों की सेवा के लिए तैयार किया जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पुनर्विकास कार्य पूर्ण हो जाने पर 5462 बेड और विभिन्न सुविधाओं के साथ पीएमसीएच देश का सबसे बड़ा अस्पताल बन जाएगा तथा लोगों को और बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं मिल पाएंगी।

## अन्नदाता को किसी प्रकार की असुविधा बर्दाश्त नहीं : सिंधिया

**अशोक नगर**। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दूसरे दिन अशोक नगर जिले में खाद वितरण केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उन्हें असुविधा हो, यह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया डीएपी खाद की उपलब्धता को लेकर किसानों की बढ़ती चिंताओं के बीच अचानक अशोकनगर जिले के ईसागढ़ के नईसराय स्थित खाद वितरण केंद्र पर पहुँचे। उन्होंने मौके पर पहुँचकर स्टॉक, सप्लाई और वितरण व्यवस्था का पूरा मूल्यांकन किया, ताकि किसी किसान को खाद के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएँ सुनीं और खाद वितरण में आ रही कठिनाइयों को जाना।निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने केंद्र पर उपलब्ध डीएपी के बैगों की स्वयं जांच की और किसानों को दिए जा रहे बैगों की मात्रा व गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया।

केन्द्रीय मंत्री ने वितरण रजिस्टर, पीओएस मशीन से किसानों को किए जा रहे आवंटन और स्टॉक की वास्तविक स्थिति का मिलान कराया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और डॉ मोहन यादव की सरकार में अन्नदाताओं को पूरी खाद सप्लाई मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है और धीरे- धीरे शेष बचे लोगों को भी शीघ्र खाद मुहैया कराई जाएगी। मैं यह सुनिश्चित करने आया हूँ कि खाद की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की बाधा न रहे और हर किसान को समय पर उसका हक मिले। उन्होंने संपूर्ण वितरण प्रक्रिया की जाँच की, जिसमें वर्तमान स्टॉक, आगामी सप्लाई, ट्रकों की अनलोडिंग, टोकन वितरण, लाइन प्रबंधन और किसानों तक खाद पहुँचाने की गति के सभी पहलुओं का उन्होंने मौके पर मूल्यांकन किया।

समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला प्रशासन, कृषि विभाग और वितरण एजेंसियों को यह निर्देश दिया कि खाद उपलब्धता पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की देरी या अव्यवस्था को तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाद वितरण में किसी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों की सुविधा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार वितरण प्रणाली को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है। किसानों को अनावश्यक रूप से लंबी कतारों में न लगना पड़े, इसके लिए भी अतिरिक्त प्रबंध किए जा रहे हैं।

किसानों ने केन्द्रीय मंत्री के सीधे हस्तक्षेप पर संतोष व्यक्त किया और बताया कि निरीक्षण के बाद व्यवस्था में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए सबसे पहली प्राथमिकता मेरे किसान हैं। खेती से जुड़ी किसी भी समस्या के हल में देरी नहीं होगी। खाद, बीज, सिंचाई या फसल, किसी भी स्तर पर यदि कठिनाई आती है, तो मैं स्वयं मैदान में आकर उसका समाधान सुनिश्चित करता हूँ। क्षेत्र का विकास तब ही संभव है जब किसान मजबूत हों। केन्द्रीय मंत्री के इस औचक निरीक्षण से किसानों में राहत और विश्वास का माहौल देखने को मिला।

## कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए जारी किए गए 460 करोड़ रुपये : मुख्यमंत्री

**धर्मशाला**। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कांगड़ा जलिा के धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत तंगरोटी में 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत जन शिकायतें सुनी। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय महिला मंडलों के लिए एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने रामेड़-तंगरोटी सम्पर्क मार्ग, तंगरोटी सम्पर्क मार्ग की टारिंग और निकटवर्ती सड़क मार्गों के लिए भी धनराशि जारी करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कांगड़ा जिला को राज्य की पर्यटन राजधानी घोषित किया है, जिसके दृष्टिगत क्षेत्र में अनेक पर्यटन परियोजनाओं को साकार रूप दिया जा रहा है। इससे आगामी समय में स्थानीय लोगों के लिए आमदनी के नए साधन सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 460 करोड़ रुपये जारी किए हैं और इसका कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के विस्तारीकरण से इसके समीपवर्ती क्षेत्रों में ज़मीन की कीमतों में वृद्धि होगी और क्षेत्र में पर्यटकों की आमद में भी बढ़ोतरी होगी जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के आधुनिकीकरण पर विशेष बल दे रही है। हिमाचल प्रदेश ने हाल ही में 99.30 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ पूर्ण साक्षर राज्य की उपलब्धि हासिल की है। राज्य अब पढ़ने और लिखने की कुशलता में देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में किए गए वर्तमान राज्य सरकार द्वारा किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप प्रदेश अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में देश में 5वें स्थान पर है, जबकि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में हिमाचल 21वें स्थान पर था।

# मौजूदा दौर में वसुधैव कुटुंबकम का विचार और अधिक प्रासंगिक : राष्ट्रपति मुर्मू

**लखनऊ।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विश्व एकता और शांति पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में जब विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तो ''वसुधैव कुटुंबकम'' का विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां लखनऊ के सुलतानपुर मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग सेंटर गुलजार उपवन में राज्य स्तरीय वार्षिक ''विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग)'' समारोह की शुरुआत करने के बाद प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, '' भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव विश्व को ''वसुधैव कुटुंबकम'' का संदेश दिया है, अर्थात संपूर्ण विश्व हमारा परिवार है और आज जब विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तो यह (वसुधैव कुटुंबकम) विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है।'' राष्ट्रपति ने देश में आए बदलावों और नयी उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि ''आज का मनुष्य पहले की अपेक्षा तकनीकी रूप से बहुत सक्षम है और आगे बढ़ने के अवसर हैं लेकिन समाज में उन्नति के साथ-साथ तनाव, मानसिक असुरक्षा, अविश्वास और एकाकीपन बढ़ रहा है।'' उन्होंने सुझाव देते हुए कहा, ''आज आवश्यक है कि हम केवल आगे बढ़ने की ही नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर झांकने की यात्रा भी शुरू करें। इसका कदम ब्रह्माकुमारीज ने उठाया है, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं।'' मुर्मू ने मानव स्वभाव की विवेचना करते हुए कहा कि ''प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि दूसरे पर विश्वास करें, लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत हो, विचार स्वच्छ हों और भावनाएं शुद्ध हों।'' उन्होंने कहा, ''जब हम कुछ क्षण रुक कर स्वयं से संवाद करते हैं तो इस बात का अनुभव होता है कि शांति और आनन्द किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाता है।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''शांत और स्थिर मन समाज में शांति का बीज बोता है तथा वहीं से विश्व शांति और विश्व एकता की नींव बनती है। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की आधारशिला रही है।''

राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारी को सजे हुए कलश और ब्रह्माकुमारों को झंडे प्रदान किये, जिनकी यात्रा उत्तर प्रदेश के कोने-कोने में जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि ''इस संस्था ने श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की ओर अग्रसर करने की दिशा में कदम उठाया और यह वैश्विक चेतना का आरंभ था। यह आध्यात्मिक वटवृक्ष 136 देशों में अपनी सुगंध बिखेर रहा है और इसकी शाखाएं दिलों को जोड़ रही है।'' उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि ''यह हमारे लिए गौरव का क्षण है जब विश्व एकता जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर एक बड़े अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं।'' योगी ने कहा, ''एक राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख के साथ ही राष्ट्रपति का जीवन एक शिक्षक के रूप में प्रेरणादायी रहा है और इन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने जीवन को आगे बढ़ाया। एक पार्षद से लेकर राष्ट्रपति तक उनकी जीवन यात्रा हर भारतीय के लिए एक उदाहरण है।'' इसके पहले उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमौसी हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

## भारत ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना उसके खिलाफ लड़ाई जारी : योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने आतंकवाद को राक्षसी वृत्ति के रूप में माना है और उसके खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सुलतानपुर मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग सेंटर गुलजार उपवन में राज्य स्तरीय वार्षिक ''विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग)'' समारोह की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुरुआत किये जाने के मौके पर अपने संबोधन में कहा, ''जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।'' योगी ने कहा कि ''भारत की ऋषि परंपरा की मान्यता रही है कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण उसका मन है। सद्गुरु रविदास जी ने भी कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा, यानी मन की बहिर्मुखी वृत्ति को जो व्यक्ति अंतर्मुखी कर लेगा, वह न केवल आत्मिक संतुष्टि का लाभ प्राप्त कर सकता है, बल्कि विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहिर्मुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व संभालने के बाद भारत की योग की विधा को संयुक्त राष्ट्र से मान्यता दिलाकर 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दिलाई थी। पूरा भारत प्रधानमंत्री जी के प्रति हृदय से आभारी है कि उन्होंने ऋषि परंपरा के 'प्रसाद' योग विधा को वैश्विक मान्यता दिलाई। योगी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का जीवन शिक्षक के रूप में भी प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने अपना जीवन शिक्षक के रूप में आगे बढ़ाया, फिर जनसेवा के भाव से पार्षद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की यात्रा की। उनकी यह यात्रा संघर्ष की बड़ी गाथा है, जो हर भारतीय के लिए नयी प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ी बहनों और पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज भी अपने कार्यक्रमों और राजयोग के माध्यम से निरंतर सकारात्मक भाव का संचार कर रहे हैं। योगी ने राजयोग के प्रशिक्षण की दृष्टि से लखनऊ के प्रशिक्षण केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि यह शानदार केंद्र लगभग बनकर तैयार हो चुका है। यह उत्तर प्रदेश का उत्तम प्रशिक्षण केंद्र बन सकता है। जहां से एक दिन, तीन दिन व साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ समाज को जोड़ने का माध्यम प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि ब्रह्माकुमारी इस थीम को वर्ष भर प्रदेश, देश व दुनिया में ले जाने में सफल होगा।

## एसआईआर से वो ही घबरा रहे, जिन्हें मतदाता सूचियों से 'घुसपैठियों' के नाम कटने की आशंका: सुरेश खन्ना

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया से वो ही लोग घबरा रहे हैं, जिन्हें आशंका है कि मतदाता सूचियों के सत्यापन में 'घुसपैठियों' के नाम हट जाएंगे। एसआईआर को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा लगातार आरोप लगाये जाने पर पलटवार करते हुए खन्ना ने कहा कि मतदाताओं का सत्यापन करना आयोग का दायित्व है और इसमें सरकार की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होती।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एसआईआर प्रक्रिया का 20 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए अपनी पोस्ट में कहा ''ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो। आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-जमीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी।'' बृहस्पतिवार को एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए बरेली पहुंचे वित्त मंत्री ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''एसआईआर से आम मतदाता न डर रहा है और न ही इसमें किसी प्रकार की जटिलता है। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जो हर चुनाव से पहले होती है। अखिलेश यादव द्वारा एसआईआर की अवधि बढ़ाने की मांग पर खन्ना ने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने में अभी आठ दिन शेष हैं, ऐसे में जिन मतदाताओं को फॉर्म भरना है, वे आसानी से निर्धारित समय में प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि सत्यापन में किसी तरह की अनियमितता नहीं है और यह पूरी तरह निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित है। स्कूलों में वंदे मातरम के सामूहिक गायन को लेकर उठे विरोध पर वित्त मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम देश के स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा रहा है और इसे स्वतंत्रता सेनानियों का प्रिय गीत माना जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान का भाव रखना हर नागरिक का दायित्व है।

## दो वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार, 418 तोते बरामद

**बरेली।** वन विभाग और एसटीएफ की साझा टीम ने एक अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्कर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 418 तोते बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) दीक्षा भंडारी ने बताया कि बुधवार देर रात वन विभाग को जानकारी मिली थी कि वन्यजीवों की तस्करी में लिप्त एक गिरोह बरेली के रास्ते दिल्ली जाने की फिराक में है। उन्होंने बताया कि जानकारी मिलते ही तुरंत तीन दलों को विनायक अस्पताल, कुतुबखाना और सीबीगंज पर जांच के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान किला पुल से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 418 तोते बरामद किए गए। भंडारी के अनुसार गिरोह में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि ये तोते एक कार से चार बड़े पिंजरों में बरामद किए गए। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद हवालात में भेज दिया गया है। भंडारी ने बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान अर्सलान खान और शाकिब के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे अलग-अलग जिलों से तोते पकड़कर इन्हें शहर में अलग-अलग जगह रखते हैं और फिर पिंजरों में दिल्ली ले जाकर बेच देते हैं। वन विभाग ने इनके नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

## सड़क हादसे में पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत, एक अन्य घायल

**मिर्जापुर।** जिले में शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक कार में सवार पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमर बहादुर सिंह ने बताया कि कछवा थाना क्षेत्र में सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटका में सड़क हादसे में एक कार में सवार पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि प्रयागराज से वाराणसी की ओर से जा रही एक अनियंत्रित कार सड़क पार कर रहे दो लोगों को रौंदते हुए सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। सीओ ने बताया कि हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान श्याम कृष्ण यादव (55) और उनके बेटे अनुराग यादव (30) के रूप में हुई जो कार में सवार थे। वे प्रयागराज के सोरांव के रहने वाले थे। हादसे में मारे गए दो अन्य लोगों की पहचान सरोज (40) और भोलू (35) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

### अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर समेत दो की मौत, एक अन्य घायल

**शाहजहांपुर।** शाहजहांपुर में एक सड़क हादसे में एक किशोर और एक युवक की मौत हो गई जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि थाना सिधौली क्षेत्र निवासी रिंकू अपने दो रिश्तेदारों को रेलवे स्टेशन से लेकर बृहस्पतिवार देर रात घर लौट रहा था, तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। एसपी ने बताया कि हादसे में रिंकू (25) तथा नीतीश कुमार (12) की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं गुरुदेव (6) गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी के जरिए अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटी है।

## 11वीं के छात्र ने स्कूल में खाया जहरीला पदार्थ, भर्ती

**बागपत।** जिले में 11वीं के छात्र ने स्कूल में जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पैरेंटस मीटिंग की डर से छात्र ने यह कदम उठाया है। फिलहाल डॉक्टर छात्र की हालत में सुधार बता रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के एक निजी स्कूल में 11वीं के छात्र ने शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। जैसे ही स्कूल प्रशासन को इसकी जानकारी हुई फौरन परिवार को इसकी जानकारी देते हुए बच्चे को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया, जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। इस घटना के बाद छात्र के पिता का बयान आया है कि स्कूल में शिकायत होने के डर से उनके बेटे ने यह कदम उठाया। स्कूल में बच्चे पर दबाव रहता है, जिससे वह घबरा गया। उसकी हालत अब ठीक बताई जा रही है, लेकिन उसे आगे के उपचार के लिए अस्पताल में ही रखा जाएगा।

## शादी समारोह में डीजे संचालक के पिता की गोली मारकर हत्या

### हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक की मौत

**बुलंदशहर।** जिले में एक शादी समारोह में कथित तौर पर हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि थाना चोला क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग में गोली लगने से धर्मेंद्र भाटी (36) की मौत हो गयी। ऐसा बताया जा रहा है कि वह एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता था। पुलिस अधीक्षक (नगर) शंकर प्रसाद ने बताया कि ककोड़ थाना क्षेत्र के अजयनगर से एक बारात चोला थाना क्षेत्र अंतर्गत खानपुर गांव में आई थी। इस दौरान सुग्रीव नाम के व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी पिस्तौल से की गई हर्ष फायरिंग में धर्मेंद्र को गोली लग गई। उसे इलाज के लिए नोएडा ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इस संबंध में परिजनों द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी एवं लाइसेंसी पिस्तौल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

**हरदोई।** जिले में एक बारात में कथित तौर पर डीजे बंद होने को लेकर विवाद बढ़ने पर दूल्हे के बहनोई ने डीजे संचालक के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार जिले के अतरौली थाना क्षेत्र के शाहपुरा गांव निवासी टीकाराम की पुत्री का विवाह लखनऊ जनपद के जेहटा के रहने वाले विकास के साथ तय हुआ था और बृहस्पतिवार की रात में यहां बारात पहुंची। इसी बारात में अतरौली थाना क्षेत्र के बरगदी निवासी अमित का डीजे लगा हुआ था। देर रात 12 बजे के आसपास अमित ने अपना फ्लोर डीजे बंद कर दिया। डीजे बंद होने के बाद दूल्हे के बहनोई आकाश गौतम और उसके बड़े भाई अखिलेश गौतम ने आकर डीजे बजाने के लिए कहा। अमित ने जब रात में डीजे बजाने से मना कर दिया तो यह लोग उसके साथ धक्का मुक्की करते हुए झगड़ा करने लगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार झगड़ा बढ़ता देख अमित ने अपने पिता पुत्तीलाल व बड़े भाई आशीष को बुला लिया। जब यह दोनों लोग आए और इन लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास करने लगे तो एक बार फिर से विवाद शुरू हो गया। सूत्रों ने बताया कि विवाद में आकाश गौतम ने अपने भाई अखिलेश के कहने पर कमर से असलहा निकाला और गाली गलौज करते हुए पुत्तीलाल के ऊपर गोली चला दी। गोली लगने से पुत्तीलाल घायल होकर जमीन पर गिर गया और अखिलेश तथा आकाश दोनों मौके से भाग निकले। शादी वाले घर में हत्या की वारदात से हड़कंप मच गया।

हालांकि पुत्तीलाल को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) ले जाया गया जहां से लखनऊ भी ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गई। घटना के बाद बाराती अपने घरों को चले गए। इस मामले की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार मीणा, मातहत अधिकारियों और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को लगा दिया गया है और शीघ्र ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि अमित की तहरीर पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना से पहले जयमाला हो चुकी थी लेकिन फेरे नहीं हुए हैं। शादी वाले घर में सन्नाटा पसरा हुआ है। दूल्हे और उसके परिवार के लोग कोतवाली में मौजूद हैं।

## काशी-तमिल संगमम के चौथे संस्करण में 'वणक्कम काशी' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला शुरू

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से काशी-तमिल संगमम 4.0 के तहत जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम ''वणक्कम काशी'' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला की शुरुआत हुई।

'वणक्कम काशी' के पहले दिन विश्वविद्यालय परिसर के एम्फीथिएटर, विश्वनाथ मंदिर प्रांगण और केन्द्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों ने संवादात्मक एवं आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। इन नाटकों के माध्यम से छात्रों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि भारत की आत्मा उसकी विविधता में निहित एकता में बसती है। इस पहल के जरिए काशी और तमिलनाडु के प्राचीन और गहरे सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक गहराई से समाज में सांस्कृतिक एकात्मता का संदेश देना भी है। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. स्वप्ना मीना और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि नाटक की पटकथा में काशी और तमिलनाडु की साझा आध्यात्मिक विरासत को प्रमुखता दी गई है।

विशेषकर भगवान शिव की उपासना परंपरा, स्थापत्य, संगीत, भाषा और साहित्यिक संबंधों को जीवंत दृश्यों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटकों में 'लर्न तमिल – तमिल कर्पम' पहल को भी शामिल किया गया, ताकि युवाओं के बीच भाषाई आदान-प्रदान और सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा मिले। स्वयंसेवक रिया दुबे और जे. ए. मोल्लाह ने पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीएचयू विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह जन-अभियान काशी-तमिल संगमम 4.0 के प्रति आम जन में उत्साह और सहभागिता को बढ़ाने का प्रभावी माध्यम साबित होगा। साथ ही उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, भाषाई और पारंपरिक एकरूपता के स्थायी संबंध और मजबूत होंगे। अभियान के तहत 29 नवंबर (शनिवार) को नुक्कड़ नाटक श्रृंखला रविदास घाट, अस्सी घाट, दुर्गा मंदिर और नमो घाट पर भी प्रस्तुत की जाएगी।

## संभल में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ याचिका दायर

**संभल।** उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ शहीद भगत सिंह की हमास के आतंकियों से तुलना करने वाले बयान के लिए सिविल जज सीनियर डिवीजन के यहां हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने याचिका दायर की। जनपद संभल की चंदौसी में स्थित जिला न्यायालय के सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह की कोर्ट में शुक्रवार को हिंदू शक्ति दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने सहारनपुर से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद के खिलाफ शहीद ए आजम भगत सिंह की तुलना हमास के आतंकवादियों से करने वाले बयान को लेकर एक याचिका दायर की है। इस याचिका को दाखिल करते हुए उन्होंने कहा है कि इमरान मसूद ने ऐसा बयान देकर शहीदों का अपमान किया है। इस विषय में जानकारी देते हुए याचिका करता सिमरन गुप्ता ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की फितरत रही है देश और देश के शहीदों का अपमान करना और कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने ऐसा बयान देकर देश के शहीदों का अपमान किया है। इसके लिए हमने आज सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य सिंह के कोर्ट में याचिका दाखिल की है और कांग्रेस सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं इस विषय में जानकारी देते हुए सिमरन गुप्ता के अधिवक्ता अजय सिंह ने बताया कि आज हमने कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद के खिलाफ शहीद ए आजम भगत सिंह की आतंकवादियों से तुलना करने को लेकर एक याचिका दायर की है जिसमें हमने कांग्रेस सांसद के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज करने की मांग की है।

## माता-पिता की हत्या के आरोप में तीन सौतेले बेटे और एक वकील गिरफ्तार

**श्रावस्ती।** जिले की पुलिस ने इकौना थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपति की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए उनके तीन सौतेले बेटों और एक वकील को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर की सुबह खांवापोखर गांव में पूर्व ग्राम प्रधान रोशन खां (80) का शव उनके घर में और उनकी पत्नी वसीला (60) का शव घर के पास झाड़ियों से बरामद हुआ था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों की गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल भाटी ने बताया कि इस मामले में मृतक के बेटों हसीब खां, नसीब खां और मुसीब खां सहित प्रभाकर त्रिपाठी उर्फ रिंकू नाम के एक वकील को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया कि वकील प्रभाकर त्रिपाठी उर्फ रिंकू ने धोखे से दंपति की कीमती दुकानें हड़प ली थीं। संपत्ति पर पूरी तरह कब्जा करने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए उसने तीनों सौतेले बेटों को लालच देकर उनके ही माता-पिता की हत्या करवा दी। एसपी ने बताया कि रोशन खां की काफी संपत्ति थी, जिसमें इकौना कस्बे की तीन प्रमुख दुकानें भी शामिल थीं। रोशन खां की दो शादियां हुई थीं पहली पत्नी से दो बेटे हसीब और नसीब थे, जबकि दूसरी पत्नी वसीला के पहले पति से मुसीब था।

इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर स्पष्ट हुआ कि वकील ने उनके बेटों को लालच देकर हत्या की साजिश रची थी। एक पुत्र को उसने मोटरसाइकिल दी और दस लाख रुपये देने का भरोसा दिलाया, जबकि दो अन्य बेटों को भी रकम देने का लालच दिया गया था। कड़ाई से पूछताछ पर तीनों बेटों ने स्वीकार किया कि वकील के बहकावे में आकर उन्होंने 22 और 23 नवंबर की रात को अपने माता-पिता की सोते समय बांस की लाठी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) में मामला दर्ज किया गया था।

नए तथ्यों के आधार पर बृहस्पतिवार को धारा 61(2) (आपराधिक साजिश) और 238 (साक्ष्य मिटाना) जोड़ी गईं। अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल बांस का डंडा बरामद कर लिया गया। बृहस्पतिवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

# श्रीलंका ने पाकिस्तान को छह रन से हराकर श्रृंखला के फाइनल का टिकट किया पक्का

**रावलपिंडी।** तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा (20 रन पर चार) ने लक्ष्य का बचाव करते हुए आखिरी ओवर में सिर्फ तीन रन खर्च किये जिससे श्रीलंका ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने करो या मरो मैच में पाकिस्तान को छह रन से हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया। पाकिस्तान पहले ही फाइनल में पहुंच चुका था और जिम्बाब्वे की जगह खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बृहस्पतिवार को यहां खेले गये मैच में जीत की जरूरत थी। टीम ने सलामी बल्लेबाज कामिल मिसरा की 48 गेंदों में 76 रनों की पारी की बदौलत पांच विकेट पर 184 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को सात विकेट पर 178 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 63 रनों की पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। चमीरा ने पावरप्ले में अपने शुरुआती दो ओवर में तीन रन पर तीन विकेट लेकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया और फिर आखिरी ओवर में क्रीज पर आगा की मौजूदगी के बावजूद 10 रन का शानदार तरीके से बचाव किया। उन्होंने चौथे ओवर में साहिबजादा फरहान (नौ) को धीमी गेंद पर गच्चा देने के बाद बाबर आजम (शून्य) को खाता खोले बगैर पगबाधा किया। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज साइम अयूब (27) एक बार फिर 18 गेंदों पर अपनी आक्रामक शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे और ईशान मलिंगा की गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौटे। चमीरा ने छठे ओवर में फखर जमां को कप्तान दासुन शनाका के हाथों कैच कराया जिससे पावर प्ले में पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 43 रन हो गया। आगा और उस्मान खान (33) ने 56 रन की साझेदारी के साथ मैच में पाकिस्तान की वापसी कराई । पांचवें विकेट की 56 रन की इस साझेदारी को वानिंदु हसरंगा ने उस्मान को आउट कर तोड़ा। आगा और मोहम्मद नवाज ने इसके बाद 36 गेंद में 70 रन की आक्रामक साझेदारी से पाकिस्तान को लक्ष्य के करीब पहुंचाया लेकिन मलिंगा ने 19वें ओवर में नवाज को चलता कर दिया। मिसरा और कुशल मेंडिस (40) ने इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीसरे ओवर में पथुम निशंका (आठ) के आउट होने के बावजूद छह ओवर में श्रीलंका का स्कोर एक विकेट पर 58 रन तक पहुंचा दिया। मेंडिस ने अबरार अहमद की गेंद पर पगबाधा होने से पहले अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। मिसरा 17वें ओवर में अबरार का दूसरा शिकार बने। उन्होंने छह चौके और तीन छक्के जड़े। जनिथ लियानागे (नाबाद 24) और कप्तान शनाका (नाबाद 17) ने अंतिम दो ओवरों में 24 रन बटोर कर श्रीलंका को 184 के स्कोर तक पहुंचाया।

# भारत पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के लिए दिसंबर में श्रीलंका की मेजबानी करेगा

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था।

हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।" पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली थी। टीम ने इस श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

### इस प्रकार है कार्यक्रम

- पहला टी20 अंतरराष्ट्रीयः 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
- दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीयः 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
- तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीयः 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
- चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीयः 28 दिसंबर तिरुवनंतपुरम
- पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीयः 30 दिसंबर तिरुवनंतपुरम

# सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

**नई दिल्ली।** भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा कि भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है। उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे।

नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं। इसके बाद घरेलू मैदान पर विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में भी उन्होंने 10 पदक जीते।

# आयुष म्हात्रे अंडर-19 एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे

**नई दिल्ली।** उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। म्हात्रे ने इससे पहले सितंबर और अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के बहु-प्रारूप दौरे के दौरान भी भारत का नेतृत्व किया था।

यह टूर्नामेंट अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्व कप की तैयारी का आधार होगा। चौदह तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ 32 गेंद में शतक जड़ा था। 42 गेंद में 144 रन की ताबड़तोड़ पारी के दौरान वह पुरुष टी20 प्रारूप में तीसरे सबसे थे। बीसीसीआई की विज्ञप्ति के मुताबिक टीम में शामिल किशन कुमार सिंह को टूर्नामेंट से पहले अपनी फिटनेस साबित करनी होगी।

भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज क्वालीफायर टीम के खिलाफ 16 दिसंबर को एक अन्य क्वालीफायर के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 19 दिसंबर खेले जाएंगे जबकि फाइनल 21 दिसंबर को होगा। अंडर-19 एशिया कप में भाग लेने वाली तीन क्वालीफायर टीमों का पता बाद में चलेगा। भारत-19 के सामने 14 दिसंबर को पाकिस्तान अंडर-19 की चुनौती होगी जबकि टीम

### भारतीय अंडर-19 टीम

- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, आरोन जॉर्ज।
- स्टैंडबाई खिलाड़ीः राहुल कुमार, हेमचुदेशन जे, बी.के. किशोर,आदित्य रावत।

## जर्मनी ने FIH जूनियर विश्व कप के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया

**मदुरै।** गत चैंपियन जर्मनी ने शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 4-0 से हराकर एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। सात बार के चैंपियन जर्मनी की ओर से जस्टस वारवेग ने 19वें और 56वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि बेन हैशबैक (43वें मिनट) और पॉल ग्लेंडर (44वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक-एक गोल किया। पूल ए के पहले मैच में आयरलैंड ने कड़े मुकाबले में कनाडा को 4-3 से हराया। आयरलैंड को 13वें मिनट में लुई रोव से बढ़त दिलाई लेकिन गुरनूर भुल्लर ने 26वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। रोव ने 33वें मिनट में एक और मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-1 किया जबकि ग्रेगरी विलियम्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आयरलैंड को 3-1 से आगे कर दिया। माइलो थॉम्पसन ने एक और मैदानी गोल दागकर आयरलैंड की बढ़त को 4-1 किया। लेटन डिसूजा ने 48वें और 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर कनाडा को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

# भारत, कनाडा व्यापार समझौते पर अगले सप्ताह से फिर से शुरू करेंगे चर्चा : गोयल

**नई दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और कनाडा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक बातचीत फिर से शुरू करने के लिए अगले सप्ताह से चर्चा शुरू करेंगे। कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी।

2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ''बेतुका'' बताते हुए खारिज कर दिया था। मंत्री ने यहां उद्योग मंडल 'फिक्की' की वार्षिक आम बैठक में कहा, '' कनाडा और भारत, सीईपीए पर विचार कर रहे हैं। अगले सप्ताह वे इस पर बातचीत शुरू करने जा रहे हैं।'' व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। ये समझौते कुशल पेशेवरों की आवाजाही के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं और निवेश आकर्षित करते हैं। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी। इस पर छह से अधिक दौर की वार्ता हुई थी। कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8 प्रतिशत बढ़कर 4.22 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब अमेरिकी डॉलर था। वहीं आयात 2.33 प्रतिशत घटकर 4.44 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब अमेरिकी डॉलर था। जून में कनाडा के कनानस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई।

भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब अमेरिकी डॉलर का था। कनाडा में लगभग 29 लाख भारतीय प्रवासी और 4,27,000 से अधिक भारतीय छात्र हैं।

## मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने इस्तीफा दिया

**नई दिल्ली।** प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक (एमडी) मनीष बंदलिश ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बंदलिश का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त होगा। उन्होंने मार्च 2021 में मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक का पद संभाला था। मदर डेयरी से इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बंदलिश के कंपनी से अलग होने की पुष्टि की। कंपनी ने एक ई-मेल के जवाब में कहा कि मनीष बंदलिश ने मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक पद से हटने का फैसला किया है ताकि वह कंपनी के बाहर अपने पेशेवर लक्ष्यों को पूरा कर सकें। उनका 'नोटिस पीरियड' 30 नवंबर 2025 को पूरा होगा।'' मदर डेयरी ने कंपनी की समग्र वृद्धि में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनकी सराहना भी की। इस बीच, मदर डेयरी ने कहा कि प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारियों को निदेशक मंडल के मार्गदर्शन में उप प्रबंध निदेशक संभालेंगे।

# मोहाली स्थित सेमी कंडक्टर लेबोरेटरी को 4,500 करोड़ रुपये से आधुनिक बनाएगी सरकार: वैष्णव

मोहाली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार अगले तीन साल में सरकारी चिप कंपनी सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) को आधुनिक बनाने के लिए 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत आने वाली स्वायत्त संस्था सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) देश की एकमात्र एकीकृत डिवाइस विनिर्माण सुविधा है, जो एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स (एएसआईसीएस), ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल प्रणाली (एमईएमएस) उपकरणों के विकास के लिए सभी समाधान मुहैया कराती है। मंत्री ने कहा कि विस्तार के लिए केंद्र ने पंजाब सरकार से 25 एकड़ जमीन देने का अनुरोध किया है। वैष्णव यहां 'डिवाइस हैंडओवर' समारोह में कहा, ''अगले तीन साल में 4,500 करोड़ रुपये के निवेश से एससीएल को आधुनिक बनाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि एससीएल सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इस सुविधा के निजीकरण का कोई सवाल ही नहीं है। मंत्री ने कहा कि एससीएल में उत्पादन को 100 गुना बढ़ाने की जरूरत है। ''तकनीक में बड़ा बदलाव लाना होगा। यहां दशकों पुरानी तकनीक है, हमें बड़ी छलांग लगानी है। एससीएल मोहाली स्टार्टअप को भी बढ़ावा देगा।'' उन्होंने कहा कि देश में 300 विश्वविद्यालयों के स्नातक छात्र और शोधकर्ता चिप डिजाइन के लिए दुनिया के सबसे नए ईडीए टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं और चिप के उत्पादन में एससीएल बड़ी भूमिका निभाएगा।

## वित्त मंत्री सीतारमण ने अमरावती में बैंक व बीमा कार्यालयों की रखी आधारशिला

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को अमरावती में संयुक्त रूप से 15 नए बैंक और बीमा कंपनी कार्यालयों की आधारशिला रखी।

आंध प्रदेश के दौरे पर गईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती सीड एक्सेस रोड पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और इंश्योरेंस कंपनियों के ऑफिस का शिलान्यास मिलकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर सीतारमण ने उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया। वित्त मंत्री कार्यालय के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) सहित कई अन्य बैंकों के कार्यालयों की आधारशिला रखी गई है।

राज्य सरकार के अनुसार इनमें 1,328 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और इससे 6,541 नई नौकरियों का सृजन होगा।

# निवेशकों के सतर्क रुख के बीच सेंसेक्स, निफ्टी स्थिर स्तर पर बंद

**मुंबई।** वृहद-आर्थिक आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02 प्रतिशत गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 85,969.89 के ऊपरी और 85,577.82 अंक के निचले स्तर को छुआ।

एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05 प्रतिशत गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों मानक सूचकांक बृहस्पतिवार को कारोबार के दौरान अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे लेकिन बाद में मुनाफावसूली हावी होने से मामूली बढ़त के ही साथ बंद हुए थे। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी कोषों के एक बार फिर बिकवाल हो जाने और वैश्विक बाजार के कारोबार में नरमी की वजह से शेयर बाजार सीमित दायरे में रहे। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से पावर ग्रिड, इटर्नल, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में सर्वाधिक गिरावट रही। दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में तेजी देखने को मिली। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंग सेंग नीचे बंद हुए, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक बढ़त में रहे। यूरोप के अधिकांश बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। 'थैंक्स गिविंग' पर अवकाश होने से बृहस्पतिवार को अमेरिकी बाजार बंद थे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 1,255.20 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,940.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.25 प्रतिशत बढ़कर 63.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 110.87 अंक चढ़कर 85,720.38 अंक और निफ्टी 10.25 अंक बढ़कर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ था।

# सर्राफा हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला में बने हीरे का मानक बनाने पर विचार कर रही सरकार

**नई दिल्ली।** चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है।

जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है। उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, ''हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।'' खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

इन सकारात्मक परिणामों के कारण आभूषण विनिर्माताओं की मांग पर अब बुलियन (सोने-चांदी की ईंटें) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार हो रहा है। खरे ने कहा कि तकनीक ने प्रयोगशाला में बने हीरे को व्यवहार्य बना दिया है और इसलिए पारदर्शिता का ढांचा जरूरी है। उन्होंने कहा, ''प्रयोगशाला में बने हीरे बहुत सस्ते होते हैं। हम नहीं चाहते कि उपभोक्ता ठगे जाएं। हम रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) और अन्य संगठनों के साथ मिलकर बिना उद्योग पर बोझ डाले पारदर्शिता ला रहे हैं।''

# सिद्धार्थ और कियारा ने बताया बेटी का नाम

## शेयर की पहली तस्वीर

बॉलीवुड के चर्चित स्टार कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा इस समय जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रहे हैं। इसी साल 15 जुलाई को दोनों ने अपनी नन्ही बिटिया का इस दुनिया में स्वागत किया था, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा कर दी थी। बेटी के जन्म के बाद से ही फैंस इस स्टार कपल की खुशियों में शामिल रहे हैं। अब, कियारा और सिद्धार्थ ने अपनी छोटी राजकुमारी का नामकरण कर दिया है, जिसकी घोषणा उन्होंने बेहद प्यारे अंदाज में की है।

### बेटी का नामकरण कर खुश हुए फैंस

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी बेटी के नन्हें पैरों की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है, जिसने सोशल मीडिया पर हर किसी का दिल जीत लिया। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, ₹हमारी प्रार्थनाओं से, हमारी बाहों तक। हमारा दिव्य आशीर्वाद३ हमारी राजकुमारी, सरायाह मल्होत्रा।₹ उनकी इस पोस्ट ने इंटरनेट पर तुरंत धूम मचा दी। 'सरायाह' नाम को लेकर खास बात यह है कि यह सिद्धार्थ और कियारा दोनों के नामों से लिया गया एक विशेष संयोजन है। यह नाम जितना अनोखा है, उतना ही खूबसूरत भी, और इसलिए फैंस इस प्यारे नाम पर खूब प्यार बरसा रहे हैं।

### सोशल मीडिया पर बरसा प्यार

कियारा और सिद्धार्थ द्वारा शेयर की गई इस पोस्ट पर फैंस, सेलिब्रिटीज और उनके करीबी दोस्तों की ओर से बधाइयों का तांता लग गया है। लोगों ने नन्ही 'सरायाह' के लिए प्यार, दुआएं और आशीर्वाद भेजते हुए कमेंट सेक्शन भर दिया है। कई फैंस ने लिखा कि कपल ने बॉलीवुड में सबसे सुंदर और यूनिक बेबी नेम्स में से एक चुना है।

### कपल की नई जिंदगी की शुरुआत

कियारा और सिद्धार्थ की जोड़ी हमेशा से फैंस की फेवरेट रही है। उनकी शादी से लेकर पैरेंटहुड तक का हर अपडेट सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता है। बेटी के जन्म और अब उसके नामकरण ने दोनों की जिंदगी में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। उनकी बेटी सरायाह मल्होत्रा अब फैंस की नई लाइमलाइट बनी हुई है, और लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं उस दिन का जब कपल अपनी राजकुमारी की पहली झलक दुनिया को दिखाएगा।

# दिल्ली में टैक्स-फ्री हुई फिल्म '120 बहादुर'

फरहान अख्तर अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म '120 बहादुर' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और शुरुआती प्रतिक्रिया बताते हैं कि फिल्म ने दर्शकों और समीक्षकों के बीच जोरदार प्रभाव डाला है। मीडिया से लेकर बॉलीवुड सेलेब्रिटीज तक, हर कोई इस फिल्म की तारीफ कर रहा है। रिलीज के पहले ही दिन '120 बहादुर' पूरे देश में चर्चा का प्रमुख विषय बन गई है। इसी उत्साह के बीच फिल्म ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, दिल्ली सरकार ने फिल्म को टैक्स-फ्री घोषित कर दिया है।

### दिल्ली में टैक्स-फ्री होने से बढ़ेगी पहुंच

भारत की सबसे साहसी और गर्व से भरी लड़ाइयों में से एक, रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित यह फिल्म न सिर्फ दर्शकों का दिल जीत रही है, बल्कि इतिहास और वीरता के प्रति सम्मान के लिए भी सराही जा रही है। दिल्ली में टैक्स-फ्री होने के बाद फिल्म और बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचेगी, जिससे भारतीय सेना की इस अनसुनी लेकिन निर्णायक लड़ाई की कहानी अधिक लोगों के दिलों तक पहुंच सकेगी। यह कदम उन शहीदों की वीरता को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने अदम्य साहस के साथ देश की रक्षा की।

### 120 सैनिकों के शौर्य की कहानी

'120 बहादुर' 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की वास्तविक बहादुरी पर आधारित है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई में अभूतपूर्व साहस दिखाया था। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने साथी जवानों के साथ दुश्मन के हर हमले के सामने खड़े रहे। फिल्म का मूल संदेश बेहद शक्तिशाली है, ₹हम पीछे नहीं हटेंगे।₹

### मजबूत टीम ने बनाया दमदार सिनेमा

इस प्रेरणादायक फिल्म का निर्देशन रजनीश रेज़ी घोष ने किया है। इसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। भावनाओं, साहस और इतिहास से भरपूर यह फिल्म अब देशभर के थिएटर्स में उपलब्ध है और दर्शकों को भारतीय सेना की सर्वोच्च वीरगाथा से रूबरू करा रही है।

# श्वेता त्रिपाठी अपने पहले हॉरर फ़िल्म 'नावा' का निर्माण करेंगी

**मुंबई।** अभिनेत्री-निर्माता श्वेता त्रिपाठी अपने बैनर बैंडरफुल फ़िल्म्स के तहत अपनी पहली हॉरर फ़िल्म नावा का निर्माण कर रही हैं, जिसे कोवातांडा फ़िल्म्स इंडिया के साथ मिलकर बनाया जाएगा। फिल्म 'नावा' श्वेता त्रिपाठी का दूसरा प्रोडक्शन वेंचर है। इससे पहले वह तिलोत्तमा शोम अभिनीत क्वियर ड्रामा मुझे जान न कहो मेरी जान को प्रोड्यूस कर चुकी हैं। सुंदरबन के खूबसूरत लेकिन डरावने और रहस्यमयी मैंग्रोव जंगलों पर आधारित फिल्म नावा की कहानी तारा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पुश्तैनी घर लौटने पर पीढ़ियों पुराने एक सिहरनभरे रहस्य में फंस जाती है, जहां नदी के देवता, दबी हुई पारिवारिक सच्चाइयाँ और लोककथाओं तथा हकीकत का धुंधला संगम उसकी जिंदगी को घेरने लगता है। आकाश मोहिमेन द्वारा लिखित यह फ़िल्म लोककथाओं, भय और भावनाओं का प्रभावशाली मिश्रण पेश करती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, "नावा मेरे लिए एक निर्माता के रूप में बहुत खास कदम है। 'मुझे जान न कहो मेरी जान', जो प्रेम और पहचान पर आधारित थी, के बाद मुझे एक बिल्कुल अलग भावनात्मक दुनिया को एक्सप्लोर करने की चाह हुई। हॉरर, खासकर तब जब वह संस्कृति और लोककथाओं से बुना जाए, लोगों को अप्रत्याशित तरीकों से छूने की क्षमता रखता है। सुंदरबन सिर्फ इस कहानी की लोकेशन नहीं है। वह जीवित है, साँस लेता है, बचाता भी है और डराता भी है। जब आकाश ने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई, तो मैं उसकी खूबसूरती, उसके भय और उसकी आत्मा से खिंच गई।

# विदेश

## संक्षिप्त खबरें

### श्रीलंका के संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद का इस्तीफा

**कोलंबो।** ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस के नेता और संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि संसद की सदस्यता छोड़ने का फैसला पार्टी नेतृत्व के आदेश पर लिया। उन्होंने संसद सत्र के दौरान यह घोषणा की। श्रीलंका के डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्माइल मोहम्मद ने संसद सदस्य के रूप में अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका फैसला पार्टी के निर्देशों पर आधारित है। उन्होंने नेतृत्व के साथ कभी धोखा नहीं किया है। मोहम्मद ने दिसंबर 2024 में संसद सदस्य के रूप में शपथ ली थी। वो राष्ट्रीय सूची के जरिए संसद के लिए चुने गए। ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस ने समागी जन बालवेगया के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा । मोहम्मद राजनीति में आने से पहले प्रधानाध्यापक रहे हैं।

### हांगकांग: इमारतों में लगी आग में अब तक 128 की हुई मौत

**हांगकांग।** हांगकांग में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें पूरी तरह से भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते कम से कम 128 लोगों की मौत हो गई। हांगकांग अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किये गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। अधिकारियों ने कहा कि इमारतों में पीड़ितों की तलाश शुक्रवार तक पूरी हो सकती है जिसके बाद इस बचाव अभियान को समाप्त कर दिया जाएगा।

### आईएनएस करमुक ने सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लिया

**सिंगापुर।** भारतीय नौसेना पोत करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर अपनी सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना, अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है। इस समुद्री अभ्यास की शुरुआत तीन दिवसीय हार्बर चरण के साथ हुई, जिसमें भाग लेने वाले कर्मियों के बीच आपसी समझ और सौहार्द बनाने के लिए क्रॉस-डेक दौरे, पेशेवर आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन शामिल थे।

# इंडोनेशिया में चक्रवात का कहर, सुमात्रा के तीन प्रांतों में भूस्खलन-बाढ़ से 61 की मौत

**जकार्ता (इंडोनेशिया)।** इंडोनेशिया में चक्रवात ने कहर बरपाया है। देश के सुमात्रा द्वीप के तीन प्रांतों में भूस्खलन और बाढ़ से कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव अधिकारियों को सिबोल्गा, नॉर्थ और साउथ तपानुली में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन से कई जगहों पर मुख्य रास्ते बंद हो चुके हैं। द जकार्ता पोस्ट के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित सुमात्रा द्वीप पर गुरुवार को सैकड़ों लोग फंस गए। तूफान ने हजारों लोगों को घरों से भागने पर मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात इंडोनेशिया के सबसे पश्चिमी इलाके से गुजरा। इस दौरान कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक व्यक्ति लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि द्वीप के उत्तरी हिस्से में मदद पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना पड़ा।

प्रभावित क्षेत्र में आवागमन और संचार का साधन ठप हो गया है। सारे इलाके में बिजली न होने से अंधेरा छा गया है। पुलिस अधिकारी फेरी वालिंटुकन ने कहा कि उत्तरी सुमात्रा प्रांत में 43 लोगों की मौत हो जाने की सूचना मिली है। बाकी इलाकों के अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी सुमात्रा में नौ और द्वीप के उत्तर-पश्चिमी सिरे पर आचेह प्रांत में नौ लोग मारे गए। सुमात्रा इंडोनेशिया के पश्चिमी भाग में स्थित बड़ा द्वीप है। यह मलय द्वीपसमूह का हिस्सा है। यह दुनिया का छठा सबसे बड़ा द्वीप है और मलाया जलडमरूमध्य के ठीक पश्चिम में स्थित है।

### श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हुई

**कोलंबो।** श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गयी है, जिसके बाद शुक्रवार को सरकारी कार्यालय और स्कूल बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक श्रीलंका पिछले सप्ताह से ही खराब मौसम की समस्या से जूझ रहा है और बृहस्पतिवार को भारी बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई, जिससे घरों, खेतों तथा सड़कों पर पानी भर गया एवं देश भर में भूस्खलन की कई घटनाएं हुईं। देश के मध्यपर्वतीय चाय उत्पादक क्षेत्रों बादुल्ला और नुवारा एलिया में बृहस्पतिवार को भूस्खलन से 25 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। यह इलाका राजधानी कोलंबो से करीब 300 किलोमीटर दूर है। सरकार के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, बादुल्ला और नुवारा एलिया क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 21 लोग लापता हैं तथा 14 घायल हो गए हैं। मौसम की स्थिति खराब होने के कारण सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों और स्कूलों को बंद करने की घोषणा की। भारी बारिश के कारण अधिकांश जलाशय और नदियां उफान पर हैं, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इस बीच, कोलंबो में खराब मौसम के कारण शुक्रवार को पश्चिम एशिया की तरफ तीन और मलेशिया से आ रही एक उड़ान के मार्ग परिवर्तित कर उन्हें केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (टीआईएएल) ने यह जानकारी दी।

# अमेरिका से निर्वासित 39 बांग्लादेशी ढाका पहुंचे, अब तक 220 से अधिक लोगों को स्वदेश लाया गया

**ढाका।** अमेरिका से निर्वासित 39 बांग्लादेशी नागरिक शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े पांच स्वदेश पहुंच गए। इनको लेकर एक विशेष यूएस मिलिट्री फ़्लाइट हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंची। एयरपोर्ट अथॉरिटी और देश के स्वैच्छिक संगठन बांग्लादेश रूरल एडवांसमेंट कमेटी (बीआरएसी) ने इनको घर पहुंचाने का इंतजाम किया। अमेरिका से लौटे लोगों में 26 नोआखली और बाकी कुमिला, सिलहट, फेनी, लक्ष्मीपुर, चटगांव, गाजीपुर, ढाका, मुंशीगंज और नारायणगंज के रहने वाले हैं। द डेली स्टार अखबार ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

बीआरएसी के निर्वासन दस्तावेज के मुताबिक अब तक लौटे कुल 220 लोगों में कम से कम 34 ब्यूरो ऑफ मैनपावर एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेनिंग से क्लियरेंस लेकर ब्राजील गए थे। वहां से वे मेक्सिको पहुंचे और फिर बिना दस्तावेज के अमेरिका में घुस गए। बाकी पांच में से दो सीधे अमेरिका गए और तीन दक्षिण अफ्रीका पहुंचे। स्वैच्छिक संगठन के कार्यकारी निदेशक शरीफुल हसन ने ऐसे मामलों में समन्वय की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इन लोगों को श्रमिक होने के नाते कानूनी तौर पर ब्राजील जाने की इजाजत दी, लेकिन यह पक्का नहीं किया कि वे सच में वहां काम के लिए जा रहे हैं या अमेरिका जाने के रास्ते के तौर पर ब्राजील का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वापस लौटे लोगों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेशियों को अमेरिका में हथकड़ी और पैरों में जंजीरें डालकर वापस भेजा गया। वह खुशकिस्मत हैं कि उनके साथ ऐसा नहीं हुआ। इस साल आठ जून को एक चार्टर्ड विमान से 42 नागरिक स्वदेश लाए गए। छह मार्च से 21 अप्रैल के बीच कम से कम 34 और लोगों को कई विमानों के माध्यम से निर्वासित किया गया। 2024 की शुरुआत से अगस्त, 2025 तक 220 से अधिक बांग्लादेशी अमेरिका से वापस आए।

### पाक ने ताजिकिस्तान में 3 चीनी नागरिकों की हत्या की निंदा की

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान ने ताजिकिस्तान के सीमा क्षेत्र में अफगानिस्तान से आए ड्रोन के हमले में तीन चीनी नागरिकों की हत्या की शुक्रवार को कड़ी निंदा की। ताजिकिस्तान के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में ड्रोन हमले और गोलीबारी में कम से कम तीन चीनी श्रमिकों की मौत हो गयी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार सुबह जारी एक बयान में चीनी नागरिकों की मौत पर चीन की सरकार और जनता तथा ताजिकिस्तान की सरकार और लोगों के प्रति "गहरी संवेदनाएं" और "मजबूत एकजुटता" व्यक्त की। बयान में कहा गया है, "पाकिस्तान चीनी नागरिकों पर इस कायराना हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करता है। इस घटना में सशस्त्र ड्रोन के इस्तेमाल ने अफगानिस्तान से उत्पन्न खतरे की गंभीरता और इसके पीछे मौजूद लोगों के दुस्साहस को उजागर किया है।" पाकिस्तान ने यह भी कहा कि "अफगान सरजमीं से अंजाम दिए जाने वाले आतंकवादी हमलों का बार-बार शिकार होने वाले पड़ोसी देश के रूप में पाकिस्तान के लोग अपने चीनी मित्रों और ताजिकिस्तान के अपने साझेदारों के दुःख और पीड़ा को भली-भांति समझते हैं।

# सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से प्रवासियों को स्थायी रूप से रोकेंगे : ट्रंप

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी "थर्ड वर्ल्ड" देशों से आने वाले प्रवासियों को "स्थायी रूप से रोक" देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो "सुरक्षा के लिए खतरा" साबित होते हैं। 'थर्ड वर्ल्ड' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह "हर चिंताजनक स्थिति वाले देश" से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की "कड़े तरीके से" पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर

एक पोस्ट में कहा, "हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं या हमारे देश से प्रेम नहीं करते हैं।" उन्होंने कहा, "केवल प्रवासियों को वापस उनके देश भेजना ही इस स्थिति को पूरी तरह ठीक कर सकता है।" लकनवाल (29) अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की 'ऑपरेशन एलाइज वेलकम' योजना के तहत देश में आया था, जिसके तहत 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद अफगान नागरिकों को यहां बसाने की पहल की गई थी।

एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जिन्होंने कहा कि उन्होंने आव्रजन नीतियों से देश को प्रभावित होने दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सोमालिया से आए हजारों शरणार्थी मिनेसोटा राज्य पर "पूरी तरह कब्जा कर रहे हैं।"

ट्रंप ने कांग्रेस सदस्य इल्हान उमर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह "हमेशा हिजाब में रहती हैं और शायद अमेरिका में अवैध रूप से आई हों- वह हमारे देश, संविधान और उन्हें कैसे 'बुरा' बर्ताव झेलना पड़ता है, इन सबके बारे में नफ़रत फैलाने वाली शिकायतों के अलावा कुछ नहीं करतीं।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद बाइडन प्रशासन के तहत अफगानिस्तान से लाए गए सैकड़ों अफगान नागरिक एक अमेरिकी सैन्य विमान में ठसाठस भरे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, "यह अफगानिस्तान से लाए गए लोगों का एक हिस्सा है। सैकड़ों हजारों लोग बिना किसी जांच-पड़ताल और सत्यापन के हमारे देश में घुस आए। हम इसे ठीक करेंगे।" अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने "हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुनः समीक्षा" का निर्देश दिया है। एडलो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे।